RADIANT ACADEMY
(AFFILIATED TO CBSE)
B-180, sector-55, noida Ph: 120-4314312/ 6514636
Mob. : 9350251631/ 9674710772 E-mail: radiantacademynoida@yahoo.com
RADIANT ACADEMY
(J.H.S.) (AFFILIATED TO CBSE)
Sorkha, Sector- 115, noida on Fng Ph: 120- 6495106,
Mob. : 9873314814/ 9674710772 E-mail: radiantacademysorkha@yahoo.com
Let your child Explore the world with us in a Secure Environment!
We are a Co-Educational Medium Senior Secondary School imparting quality education since the last 20 years.
FROM ADMISSION OPEN NURSERY TO CLASS XI Transport Facility Available
FACILITIES AVAILABLE AT SCHOOL : Highly Qualified And Trained Faculty well Quipped Labs CCTV Controlled Environment Activity Based Learning Well Equipped Library GPS Enable Buses

आज की खबर आज ही
जनाकांक्षाओं का सजग प्रहरी
चेतना मंच

पेज 7 अनन्या पांडे की सीरीज कॉल..

वर्ष : 26 | अंक : 157 | website:www.chetnamanch.com | नोएडा, बुधवार, 29 मई, 2024 | Chetna Manch | Chetna Manch | मूल्य 2.00 रुपया | पेज: 8

शरिया कानून से नहीं चलेगा देश : योगी

कांग्रेस व इंडी गठबंधन पर मुख्यमंत्री ने बोला करारा हमला

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री और बीजेपी नेता योगी आदित्यनाथ ने कांग्रेस व उसके सहयोगी दलों पर हमला बोला है। मुख्यमंत्री ने कहा कि कांग्रेस और गठबंधन की पार्टियों ने संविधान का मजाक उड़ाया है। बीआर अंबेडकर की भावनाओं के खिलाफ जाकर तत्कालीन कांग्रेस सरकार ने संविधान में जबरन अनुच्छेद 370 डाला। कांग्रेस ने आपातकाल के जरिए संविधान का गला घोंटने का काम किया। यह देश बाबा साहब भीमराव अंबेडकर के बनाए संविधान से चलेगा। यह देश पर्सनल लॉ या शरिया कानून से नहीं चलेगा।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने न्यूज एजेंसी एएनआई से कहा कि 4 जून को बीजेपी-एनडीए '400 पार' का लक्ष्य पूरा करेगी। आज '400 पार' आम आदमी का मंत्र बन गया है। हर जगह आपको 'फिर एक बार मोदी सरकार-' का नारा सुनाई दे रहा है। 'अबकी बार 400 पार'। यह अचानक नहीं हुआ है, बल्कि पीएम मोदी के नेतृत्व में पिछले 10 वर्षों में देश में हर क्षेत्र में हुए बदलावों के कारण हुआ है। 4 जून को बीजेपी-एनडीए '400 पार' के लक्ष्य को पूरा करेगी।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि कांग्रेस और इंडी गठबंधन की पार्टियों ने लगातार एससी/एसटी और ओबीसी को मिलने वाले आरक्षण में सेंध लगाने और उसका कुछ लाभ अल्पसंख्यकों, खासकर मुसलमानों को देने की कोशिश की है। यूपीए सरकार के दौरान तत्कालीन पीएम डॉ. मनमोहन सिंह का बयान जगजाहिर है, जिसमें उन्होंने कहा था कि देश के संसाधनों पर पहला हक मुसलमानों का है। मुख्यमंत्री ने समाजवादी पार्टी पर हमला (शेष पृष्ठ-3 पर)

भारत रत्न चौ. चरण सिंह की पुण्यतिथि पर दी श्रद्धांजलि

किसान घाट पर हुआ हवन, उपराष्ट्रपति धनखड व जयंत चौधरी श्रद्धांजलि देने पहुंचे

नोएडा/दिल्ली। आज किसानों के मसीहा तथा देश के पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न चौ. चरण सिंह की 36वीं पुण्यतिथि मनाई गई। दिल्ली स्थित किसान घाट पर उनको पुष्प अर्पित कर भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की।

इस अवसर पर उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़, राष्ट्रीय लोकदल के राष्ट्रीय अध्यक्ष सांसद जयंत चौधरी, उनकी धर्मपत्नी चारू चौधरी, सांसद मलूक नागर, राष्ट्रीय प्रवक्ता मनोज चौधरी, प्रदेश के कैनिबेट मंत्री अनिल सिंह, गौतमबुद्धनगर के जिलाध्यक्ष जर्नादन भाटी, अजीत दौला, प्रदेश प्रवक्ता प्रियंका अत्रि, इंद्रवीर भाटी, हरवीर तालान, वीरेन्द्र पुनिया समेत सैकड़ों पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे।

भारतरत्न चौ. चरण सिंह की पुण्यतिथि पर हवन भी किया गया। जिसमें बड़ी संख्या में रालोद के कार्यकर्ता व नेता शामिल हुए।

पारा 50 डिग्री को छूने की ओर

नोएडा-गाजियाबाद में हीट वेव अलर्ट

नोएडा/दिल्ली (एजेंसी)। गर्मी से उत्तर भारत उबलने लगा है। राजस्थान के चूरू में पारा 50 डिग्री सेल्सियस को भी पार कर गया है। अन्य शहरों में भी तापमान 48-49 डिग्री के आसपास दर्ज किया गया है। दिल्ली में भी पारा 50 डिग्री को छूने की और है। वहीं, यूपी के झांसी में दिन का पारा 49 डिग्री रहा। आगरा में तापमान 48.6 और वाराणसी में 47.6 डिग्री रहा। आंचलिक मौसम विज्ञान केंद्र, लखनऊ के वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह के मुताबिक, यूपी में मई माह में इतनी तपिश कभी नहीं रही।

भीषण गर्मी और लू के चलते जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण ने नोएडा-गाजियाबाद में हीट वेव (लू) का अलर्ट जारी किया है। आने वाले 3-4 दिनों के लिए तीव्र हीट स्ट्रोक का अलर्ट जारी किया गया है। अस्पतालों में हीट स्ट्रोक के प्रतिदिन 50 से अधिक मामले आ रहे हैं।

गाजियाबाद के एमएमजी जिला अस्पताल में हीट वेव वार्ड बनाया गया है। हालांकि इसमें अभी ज्यादा मरीज नहीं पहुंचे हैं। एडीएम वित्त एवं राजस्व सौरभ भट्ट ने मौसम विभाग की ओर से जारी की गई एडवाइजरी को लेकर बताया कि हिटवेव उच्चतम तापमान पर है।

पहाड़ी राज्यों में भी गर्मी कहर ढा रही है। जम्मू-कश्मीर के जम्मू संभाग में पारा 43 डिग्री तक पहुंच गया है। इसके चलते स्कूलों में छुट्टी की घोषणा करनी पड़ी। हिमाचल के ऊना में पारा 44 डिग्री को पार कर चुका है।

केजरीवाल को 2 जून को करना होगा सरेंडर

• सुप्रीम कोर्ट रजिस्ट्रार ने नहीं स्वीकारी याचिका

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को सुप्रीम कोर्ट से राहत नहीं मिलती दिखाई दे रही है। उन्हें अब 2 जून को कोर्ट के सामने सरेंडर करना होगा। बता दें कि सीएम केजरीवाल ने अपनी अंतरिम जमानत 7 दिन के लिए आगे बढ़ाने की अपील की थी। लेकिन सुप्रीम कोर्ट रजिस्ट्रार ने उनकी यह याचिका स्वीकार ही नहीं की।

सुप्रीम कोर्ट की रजिस्ट्रार ने दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल की अंतरिम जमानत की अवधि 7 दिन बढ़ाने की याचिका को स्वीकार करने से इनकार कर दिया है। रजिस्ट्रार का कहना है कि सुप्रीम कोर्ट ने सीएम को ट्रायल कोर्ट में जमानत याचिका दायर करने की छूट दी है। इसका मतलब साफ है कि केजरीवाल को 2 जून तक सरेंडर करना ही होगा।

बता दें कि हाल ही में केजरीवाल ने सुप्रीम कोर्ट में एक याचिका दाखिल की थी, जिसमें CM अपनी अंतरिम जमानत 7 दिन बढ़ाने की मांग की थी। आम आदमी पार्टी के मुताबिक सीएम केजरीवाल को अभी PET-CT स्कैन के साथ ही कई दूसरे टेस्ट से गुजरना है। इसलिए उन्होंने जांच के लिए सुप्रीम कोर्ट से 7 दिन का समय मांगा था।

बता दें कि 10 मई को सुप्रीम कोर्ट से अरविंद केजरीवाल को जमानत मिल गई थी। उन्हें 1 जून तक के लिए (शेष पृष्ठ-3 पर)

भाजपा प्रत्याशी करण भूषण के काफिले की कार ने दो युवकों को रौंदा, मौत

लखनऊ (एजेंसी)। कैसरगंज से भाजपा प्रत्याशी करणभूषण सिंह के तेज रफ्तार गाड़ियों के काफिले ने तीन लोगों को रौंद दिया है जिसमें बाइक सवार दो युवकों की मौके पर ही मौत हो गई। एक अन्य महिला की हालत नाजुक है, प्राथमिक उपचार के बाद उसे मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया गया।

पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक आज सुबह 9.00 बजे के करीब हादसा करनैलगंज-हुजूरपुर मार्ग पर छतईपुरवा स्थित बैकुंठ डिग्री कालेज के करीब हुआ। दुर्घटना के बाद स्कोर्ट में चल रही फारच्यूनर गाड़ी छोड़कर मौके से बाकी

लापरवाही के आरोप में अस्पताल पर मुकदमा दर्ज

दादरी (चेतना मंच)। इलाज के दौरान लापरवाही बरते जाने के आरोप में दादरी स्थित नवीन अस्पताल के खिलाफ थाने में मुकदमा दर्ज किया गया है।

दादरी कोतवाली के प्रभारी सुजीत उपाध्याय ने बताया कि रामकुमार पुत्र महेंद्र सिंह ने बीती रात को थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है कि मनीष कुमार पुत्र प्रमोद कुमार उम्र 21 वर्ष 25 मई को 2 बजे के करीब किसी आवश्यक कार्य से मोटरसाइकिल पर सवार होकर खुर्जा जा रहा था। बुलंदशहर बाईपास के पास एक अज्ञात कार चालक ने उसकी मोटरसाइकिल में टक्कर मार दिया।

कार चालक मौके से भाग गया। उन्होंने बताया कि इसकी सूचना मनीष के साथी द्वारा उनके परिजनों को दी गई। जब वे लोग मौके पर पहुंचे तो पता चला कि मनीष को एंबुलेंस की सहायता से बुलंदशहर के बनारसी दास अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। वहां पर डॉक्टरों ने बताया कि मनीष के पैर में हल्की चोट है। घबराने की कोई (शेष पृष्ठ-3 पर)

राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन 7 जुलाई को

नोएडा (चेतना मंच)। जनपद न्यायाधीश अवनीश सक्सेना की अध्यक्षता में 13 जुलाई को जनपद गौतमबुद्धनगर में राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया जायेगा।

राष्ट्रीय लोक अदालत को सफल बनाने हेतु अपर जिला जज/सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण गौतमबुद्धनगर ऋचा उपाध्याय ने जनपद के विभिन्न अधिकारियों के साथ बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में उपस्थित अधिकारियों को राष्ट्रीय लोक अदालत में अधिक से अधिक वादों को चिन्हित व निस्तारित कराने हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश दिये गये। इसके साथ-साथ राष्ट्रीय लोक अदालत को सफल बनाने हेतु बैनर, पोस्टर, स्टीकर आदि के माध्यम से व्यापक प्रचार-प्रसार करवाने (शेष पृष्ठ-3 पर)

गरीब कैदियों की जमानत राशि के भुगतान को लेकर गठित की समिति

नोएडा (चेतना मंच)। उच्च न्यायालय इलाहाबाद द्वारा पारित सतेन्द्र अन्तिल आदेश तथा उत्तर प्रदेश शासन द्वारा पारित आदेश के अनुक्रम में जिला कारागार में निरुद्ध गरीब व अहसाय बंदियों की जमानत धनराशि के भुगतान हेतु अधिकार प्राप्त समिति का गठन किया गया है। अधिकार प्राप्त समिति द्वारा बैठक का आयोजन जिला कारागार गौतमबुद्धनगर में किया गया। बैठक में ऐसे बंदी जो अपनी जमानत धनराशि का भुगतान करने में असमर्थ है, के बारे में विचार-विमर्श किया गया। बैठक में ऐसे बंदियों के संबंध में संबंधित को अग्रिम कार्यवाही हेतु उचित आदेश दिया गया। (शेष पृष्ठ-3 पर)

छात्रों के लिए रोडवेज की पिकनिक सेवा शुरू

नोएडा (चेतना मंच)। गर्मियों में छुटिटयां मनाने तथा सैर करने के लिए उप्र राज्य परिवहन निगम ने आज से पिकनिक सेवा का शुभारंभ कर दिया है। यह सेवा 30 जून तक चलेगी। रोडवेज के नोएडा डिपो के क्षेत्रीय प्रबंधक एनपी सिंह ने बताया कि चार रूटों में हरिद्वार, कोटद्वार, हल्द्वानी और मथुरा के लिए स्पेशल पिकनिक सेवा की शुरुआत की गई है। यह सेवा 30 जून तक जारी रहेगी। बसों का समय सुबह छह बजे से शाम के छह बजे का रखा गया है। सुबह छह बजे से हर घंटे इन रूटों के लिए बसें डिपों से उपलब्ध हो जाएंगी। विभाग ने हरिद्वार जाने वालों के लिए 377 रुपये किराया रखा है। वहीं, कोटद्वार के लिए 345 रुपये, हल्द्वानी के लिए 406 रुपये और (शेष पृष्ठ-3 पर)

पार्किंग में खड़े वाहनों में लगी भीषण आग, 19 कारें जलीं

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली के मधु विहार स्थित एक पार्किंग में भीषण आग लग गई। इस आग ने 19 वाहनों को अपनी चपेट में ले लिया। इस संबंध में अधिकारियों ने बताया कि बुधवार सुबह दिल्ली के मधु विहार इलाके में एक पार्किंग में भीषण आग लग गई, जिसमें 19 वाहन जलकर खाक हो गए। समाचार एजेंसी एएनआई के मुताबिक, यह घटना पूर्वी दिल्ली के मंडावली थाने के पास मंगलवार रात करीब 1.17 बजे हुई। आग लगने की सूचना मिलने पर अग्निशमन विभाग ने तुरंत दमकल की 9 गाड़ियों को मौके पर भेजा। रात में आग पर काबू पा लिया गया, लेकिन इलाके में खड़ी कई चार पहिया गाड़ियां पूरी तरह जल गईं।

अभी तक आग लगने के कारणों का अभी पता नहीं चल पाया है, अधिकारी यह पता लगाने में जुटे हैं कि अचानक आग कैसे लगी। इससे पहले, मंगलवार को शाहदरा इलाके में एक गोदाम में भीषण आग लग गई थी। अधिकारियों के मुताबिक, दिल्ली के शाहदरा इलाके के खेड़ा खुर्द गांव में एक गोदाम में आग लग गई। आग बुझाने के लिए चार दमकल गाड़ियां मौके पर पहुंचीं। घटना में किसी के हताहत होने की खबर नहीं है।

भ्रष्टाचार | ऑटो डीलरों को दे दिए 160 परमिट, दर-दर भटक रहीं पात्र महिलाएं

शासन की जीरो टॉलरेंस को पलीता लगा रहा एआरटीओ विभाग!

गाजियाबाद/ नोएडा (चेतना मंच)। भ्रष्टाचार के मामले में योगी सरकार की जीरो टोलरेंस नीति के बाद भी चंद सरकारी महकमा व दलाल सरकार की छवि को पलीता लगाने से बाज नहीं आ रहे हैं। ऐसा ही एक मामला नोएडा तथा गाजियाबाद परिवहन विभाग भी चर्चाओं में है।

आरोप है कि गाजियाबाद स्थित आरटीओ विभाग में बिना किसी सूचना व जानकारी के गुपचुप तरीके से चंद ऑटो डीलरों को पिंक ऑटो के 160 परमिट जारी किर दिए गये। नोएडा के एक ऑटो डीलर को इसमें से 90 परमिट जारी कर दिये गये। इस डीलर की सेक्टर-49 तथा सेक्टर-5 हरौला में एजेंसी भी है।

परिवहन विभाग की सांठगांठ से परमिट हासिल कर चुके डीलर अब लोगों को 4.50 लाख रूपये में पिंक ऑटो बेच रहे हैं। जिसमें ऑटो की ऑन रोड कीमत 2.73 लाख रूपये है तथा परमिट के नाम पर लोगों से 1.77 लाख खुलेआम वसूले जा रहे हैं। जबकि आवेदन करने वाली पात्र महिलाएं पिंक ऑटो के लिए वर्षों से परमिट की प्रतीक्षा कर रही हैं। लेकिन उनको ऑटो परमिट न देकर डीलरों को दिये जा रहे हैं। ऐसी महिलाओं को डीलर से 4.50 लाख रूपये में परमिट समेत पिंक ऑटो लेने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है।

नोएडा ऑटो चालक रिक्शा यूनियन के अध्यक्ष लाल बाबू ने इसकी लिखित शिकायत एआरटीओ (प्रशासन) सियाराम वर्मा तथा आरटीओ पी.के. सिंह को दी है। उक्त अधिकारी इन आरोपों से अपना पल्ला झाड़ रहे हैं। दरअसल वर्ष-2015 में परिवहन विभाग की ओर से एनसीआर में एक हजार ऑटो चलाने की स्कीम जारी की गयी थी। इसके लिए ऑन लाइन फार्म भरवाये गये थे तथा आवेदकों ने पंजीकरण कराकर निर्धारित शुल्क भी जमा करा दिया था। लेकिन अभी तक आवेदक परमिट व ऑटो के मिलने का इंतजार कर रहे हैं। अब वर्ष 2021 के बचे हुए पिंक ऑटो का परमिट बिना किसी सूचना के जारी कर दिये गये। बताया जाता है कि आरटीओ विभाग की सांठगांठ से चुनिंदा डीलरों को मोटी रकम देकर परमिट जारी कर दिए गए। इसकी शिकायत मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को भी भेजी जा रही है।

लालच की त्रासदी

गुजरात के राजकोट और राजधानी दिल्ली की दो खौफनाक त्रासदियों के पीछे लापरवाही, कानूनहीनता और पैसे के लालच की कई अनकही कहानियां हैं। राजकोट के गेम जोन, मनोरंजन केंद्र की आगजनी में 9 मासूम बच्चों और 28 वयस्कों की मौत हो गई। मौत के आंकड़े अभी गिने जा रहे हैं। दिल्ली के एक अवैध 'बेबी केयर सेंटर' में एक साथ कई ऑक्सीजन सिलेंडर फटने से आग लगी और 7 नवजात शिशु जलकर भस्म हो गए। फिलहाल 5 नवजात उपचाराधीन हैं। शायद उनके भाग्य में अभी जिंदगी शेष थी, अलबत्ता आगजनी ऐसी थी कि कुछ भी भस्म होकर राख हो जाए। दोनों ही मामले त्रासदी से बढक़र हत्याकांड हैं, क्योंकि सुरक्षा-व्यवस्था में छिद्र थे। एक ही भवन में शिशु अस्पताल और ऑक्सीजन सिलेंडर की रीफिलिंग के धंधे चल रहे थे। कथित अस्पताल का पंजीकरण 31 मार्च को खत्म हो चुका था। 'शिशु केयर केंद्र' को चार बिस्तरों की ही अनुमति थी, लेकिन वहां 14 बेड बिछाए गए थे। बिजली और आग के पर्याप्त बंदोबस्त नहीं थे। जो बच्चे यह दुनिया नहीं देख पाए और जिंदगी भी जी नहीं सके, उनके लिए यह सामूहिक हत्याकांड नहीं है, तो और क्या है? एक सहज सवाल मन-मस्तिष्क में उबल रहा है कि क्या राजधानी दिल्ली में भी कोई 'जंगल-राज' हो सकता है! कानून को लागू कराने वाले कुछ चेहरे हैं या चारों ओर काला सन्नाटा ही है? राजकोट का अग्निकांड तो मानव-निर्मित था। लोहे की चद्दर से एक अस्थायी ढांचा बनाया गया था, जिसमें बच्चे और अन्य लोग 'गेम' खेलने आते थे। न निकास की समुचित व्यवस्था, न आग बुझाने के उपकरण और कर्मचारी, बल्कि डीजल के भरे ड्रम और टायरों के ढेर वहां पड़े थे। पूरा ज्वलनशील माहौलज! राजकोट के उस परिसर में करीब 2000 लीटर पेट्रोल का भंडारण था। वह मनोरंजन स्थल था अथवा पेट्रोलियम की कोई दुकानज! कमाल तो यह है कि गुजरात के शहरी विकास संबंधी कायदे-कानून ऐसी टिन संरचनाओं में ही 'गेम जोन' चलाने की अनुमति देते हैं। देश के प्रधानमंत्री और गृहमंत्री के राज्य गुजरात में ऐसी घटिया और खतरनाक व्यवस्थाएं हैं, जो उनके विकास-दावों का मुंह चिढ़ाती हैं। गुजरात के 2017 के शहरी विकास कानून में मनोरंजन सुविधाओं के लिए निर्माण और सुरक्षा की 'शून्य' गाइडलाइन हैं। निजी कारोबारियों ने इन स्थितियों को भुनाया है और अस्थायी संरचनाएं खड़ी कर मनोरंजन के धंधे चला रहे हैं। ऐसे न जाने कितने 'लाक्षागृह' गुजरात में होंगे? दिल्ली का खौफनाक, दर्दनाक, मासूम चीख-पुकार वाला हत्याकांड भी सामने आया है। आंकड़े गवाह हैं कि राजधानी में आग से मरने वालों की संख्या 2021-22 में 591 थी, जो बढक़र 2022-23 में 1029 हो गई है। यानी बढ़ोतरी दोगुनी हुई है। हर रोज आगजनी से संबंधित औसतन 78 कॉल आती हैं। एक दिन के बाद आग की घटनाओं में औसतन 2 मौत होती हैं। कुछ सर्वेक्षणों में यह निष्कर्ष सामने आया है कि देश भर के 10 में से 8 लोगों के घरों और दफ्तरों में आग से बचाव की पर्याप्त व्यवस्था नहीं है। करीब 18 फीसदी लोग ही सुरक्षित घरों में रह रहे हैं। करीब 19 फीसदी को पता ही नहीं है कि आग बुझाने का सिस्टम काम करता है अथवा नहीं। करीब 27 फीसदी लोगों ने कबूल किया है कि उन्होंने सुरक्षा मानदंडों का कभी पालन ही नहीं किया। सिर्फ आगजनी ही नहीं, किसी और वजह से भी ऐसे कांड हुए हैं कि जिनमें लोगों की जिंदगी समाप्त हो गई। गुजरात में ही मोरबी पुल टूटा और 135 मासूम लोग मारे गए। कोल्लम मंदिर में आगजनी से ही 109 मौतें हो गईं। 2018 में वाराणसी फ्लाईओवर ध्वस्त हुआ, जिसमें 18 लोग मरे और राजधानी दिल्ली के मुंडका इलाके की वह आगजनी आज भी आंखों के सामने कौंध जाती है, जिसमें जलकर 27 लोग मारे गए थे। सभी मामलों में प्रशासनिक लापरवाही ही सामने आई।

रामचरित मानस

कल के अंक में आपने पढ़ा था कि जो तेज (दूसरों को जलाने वाले ताप) में अग्नि और क्रोध में यमराज के समान हैं, पाप और अवगुण रूपी धन में कुबेर के समान धनी हैं, जिनकी बढ़ती सभी के हित का नाश करने के लिए केतु (पुच्छल तारे) के समान है और जिनके कुम्भकर्ण की तरह सोते रहने में ही भलाई है॥ उससे आगे का वर्णन क्रमानुसार प्रस्तुत है।

पर अकाजु लगि तनु परिहरहीं। जिमि हिम उपल कृषी दलि गरहीं॥

बंदउँ खल जस सेष सरोषा। सहस बदन बरनइ पर दोषा॥

जैसे ओले खेती का नाश करके आप भी गल जाते हैं, वैसे ही वे दूसरों का काम बिगाड़ने के लिए अपना शरीर तक छोड़ देते हैं। मैं दुष्टों को (हजार मुख वाले) शेषजी के समान समझकर प्रणाम करता हूँ, जो पराए दोषों का हजार मुखों से बड़े रोष के साथ वर्णन करते हैं॥

पुनि प्रनवउँ पृथुराज समाना। पर अघ सुनइ सहस दस काना॥

बहुरि सक्र सम बिनवउँ तेही। संतत सुरानीक हित जेही॥

पुन: उनको राजा पृथु (जिन्होंने भगवान का यश सुनने के लिए दस हजार कान माँगे थे) के समान जानकर प्रणाम करता हूँ, जो दस हजार कानों से दूसरों के पापों को सुनते हैं। फिर इन्द्र के समान मानकर उनकी विनय करता हूँ, जिनको सुरा (मदिरा) नीकी और हितकारी मालूम देती है (इन्द्र के लिए भी सुरानीक अर्थात देवताओं की सेना हितकारी है)॥

बचन बज्र जेहि सदा पिआरा। सहस नयन पर दोष निहारा॥

जिनको कठोर वचन रूपी वज्र सदा प्यारा लगता है और जो हजार आँखों से दूसरों के दोषों को देखते हैं॥

(क्रमश:...)

निर्णायक क्षण- एक गलती से सदियों को सजा मिलेगी

सही और गलत के मध्य बारीक धागे सा अंतर होता है लेकिन एक सही निर्णय राष्ट्र का निर्माण तो उसी गलत फैसला उस देश के लोगों को सदियों तक सजा देता है। ग़ज़नवी हज़ार मील से भारत आया, सोमनाथ तोड़कर हज़ारों को गुलाम बनाकर हमारी धरती से ले गया- सही निर्णय होता कि सब भेद स्वार्थ भूलकर उसको रोकते, ख़त्म कर देते। ऐसा नहीं हुआ, शताब्दियों तक भारत को दु:ख और दासता झेलनी पडी।

पानीपत में एक निर्णय गलत हुआ- आपसी समझ और भोजन की जिम्मेदारी के अहंकार ने जीती बाजी हरवा दी।

1947 में सत्ताकामी नेताओं की महत्वाकांक्षाओं ने विभाजन का गलत निर्णय लिया, दस लाख हिन्दू सिखों का नरसंहार हुआ, उसके बाद आज तक हम युद्ध की निरंतर विभीषिका झेल रहें हैं।

पटेल की जगह नेहरू को प्रथम प्रधानमंत्री बनाने का गलत निर्णय हुआ, देश ने तुरंत एक लाख पचीस हज़ार वर्ग किलोमीटर भूमि के हाथों खोयी, अंतरराष्ट्रीय सीमाओं पर सेना के स्थान पर केंद्रीय आरक्षी पुलिस की गश्ते लगवाईं। अक्साई चीन खोया। आज उसका दंश और निरंतर युद्ध हम झेल रहे हैं।

चुनाव भी केवल कुछ जाने अनजाने, अच्छे या कम अच्छे लोगों को लोकसभा भेजने का उपक्रम नहीं- यह राष्ट्र रक्षा के निमित्त युद्ध ही होता है जिसमें शताब्दियों भविष्य दांव पर लगा होता है। सही शासक राष्ट्र का नवीन निर्माण करते हैं- यदि विदेशी धन और मन वाले क्षुद्र विवेकी गए तो अच्छा खासा साम्राज्य ढहते देर नहीं लगती।

देश रक्षा के निर्णायक क्षणों में भी बहुत से लोग कहते देखे गए- मोदी तो ठीक है लेकिन जिनको टिकट दिया गया उनमें बहुत से निकम्मे और संवेदनहीन हैं, या सारे कांग्रेसी भर दिए- अब हम किसको पहचाने? वे भूल जाते हैं की युद्ध के समय सेनापति के निर्णय पर बहस नहीं हो सकती- सिर्फ सेनापति को देखो, हर सैनिक में सेनापति की छवि देखो, देश विजयी बनाने के लिए कटिबद्ध होकर जूझो और विजयी होकर निकलो- बस यही एक लक्ष्य होता है।

ग़ज़नवी और गोरी हमारे अपने उन पूर्वजों की कमजोरियों और इन्ही स्वार्थों के कारण आए और हमें लूट गए जो कहते थे, हमारा क्या, हम अपनी जमींदारी, अपने हित संभाल रहे हैं। मुट्ठी भर अंग्रेज तीस करोड़ भारतीयों पर ढाई सौ वर्ष राज कर गए- इन्ही स्वार्थी कूप मंडूक भारतीयों की सहायता से। इन्हीं भारतीयों ने अपने ही भारतीयों पर विदेशी शासकों के आदेश से जलियांवाला में गोलियां चलाईं और सावरकर जैसे हज़ारों क्रांतिकारियों पर अत्याचार किये। भगत सिंह, राजगुरु सुखदेव को फांसी देने के फैसले पर पाखंडी मुहर लगाने के लिए लाहौर के अंग्रेज जज को स्थानीय गवाहियां चाहिए थीं- तीन सौ सिख मुस्लिम और सनातनी हिन्दुओं ने गवाहियां दीं- वे सब भारतीय थे। उनके नाम राष्ट्रीय अभिलेखागार में फाइलों में हैं। सिर्फ राय साहबियत, राय बहादुरी खिताब लेने, साउथ नार्थ ब्लॉक बनाने की ठेकेदारी लेने हमने अपने देश के खिलाफ खड़े होने में लज्जा महसूस नहीं की। मुझे क्या मिलेगा? इसी प्रश्न पर हम देश की सदियों को गुलामी और विनाश के अँधेरे में झोंक देने में संकोच नहीं करते।

> **देश सिर्फ पानी बिजली और सडकों से नहीं बनता। राष्ट्र की आत्मा और चैतन्य होता है। उस चैतन्य को जागृत होते हम देख रहें हैं तो विदेशी शक्तियां बौखला गयीं हैं। हर कीमत पर वे इस चैतन्य यात्रा को रोकना चाहते हैं- स्वार्थी विकृत सोच के भारतीयों की ही मदद से।**

देश सिर्फ पानी बिजली और सडकों से नहीं बनता। राष्ट्र की आत्मा और चैतन्य होता है। उस चैतन्य को जागृत होते हम देख रहें हैं तो विदेशी शक्तियां बौखला गयीं हैं। हर कीमत पर वे इस चैतन्य यात्रा को रोकना चाहते हैं- स्वार्थी विकृत सोच के भारतीयों की ही मदद से। पराक्रमी और विजय की ओर उन्मुख नेतृत्व राष्ट्र निर्माण करता है, मुफ्त पानी, बिजली और लैपटॉप नहीं देता। बलिदानी सैनिकों की स्मृति यदि नागरिकों को सशक्त नेतृत्व निर्माण हेतु प्रेरित नहीं उनको राष्ट्र की किसी भी कल्याण योजना का लाभ उठाने का भी अधिकार नहीं हो सकता।

क्या आज का भारत, अपने राष्ट्र के मूल स्वभाव और सभ्यता की रक्षा करने वालों के साथ पराक्रम दिखते हुए खड़ा होगा या गज़नवी को रास्ता देने वालों की तरह केवल अपने लिए मुफ्त बिजली पानी मिलने तक सीमित रहेगा?

पिछले वर्षों में खालिस्तान का आतंकवाद, कश्मीर से कोयंबटूर तक के जिहादी विस्फोट, हिन्दुओं का हर कदम पर अपमान, हर वर्ष होने वाले दंगे, पाकिस्तानी आतंकवाद, गरीबी का फैलाव, सडकों की जगह गड्ढे। राशन की तरह खुशामद कर करके गैस के सिलिंडर लेने की कवायद, कठिन और बेतरतीब रेल यात्रायें, विदेशों में हमारे प्रति एक तिरस्कार और गरीब-पिछड़े-सबसे भ्रष्ट देश होने की दृष्टि से भारतीयों की ओर देखने वाले विदेशी- क्या यह सब हम भूल गए और इसमें हुआ विराट परिवर्तन हममें कोई उत्साह और जोश पैदा नहीं करता?

पांच सौ वर्ष तक चले संघर्ष के बाद भी अयोध्या में राम मंदिर का विरोध करने वाले हिन्दुओं ने अपनी पत्रिकाओं में वहां शौचालय बनाने के सुझाव दिए- इस मानसिकता को पराभूत किसने किया? किसने हिन्दू गौरव की पुन:स्थापना की? किसने कहा कश्मीर में एक भी सांप और जिहादी चोर को जिन्दा नहीं छोड़ेंगे? संघ के स्वयंसेवक और तपस्वी प्रचारक दीखते नहीं लेकिन देश बदल देते हैं। वे हज़ारों गैर काषाय वस्त्र धारी प्रचारक जिन्होंने मां से घर छोड़ते समय आशीर्वाद लेते हुए सिर्फ यही कहा था- भारत माता विजयी हो केवल यही अब जीवन का व्रत है- उनके तप के रंग के खिलने का समय यही है जब भारी मतदान द्वारा राष्ट्र घातक तत्वों को पराभूत करने का दम ख़म दिखाया जाये।

उन्ही प्रचारकों में से एक नरेंद्र मोदी ने देश बदला, साहसिक निर्णय लिए और अब आधारभूत ऐसे परिवर्तन करने का समय है जिनसे आगामी सदियों का भारत सदैव के लिए शक्ति पथ पर चलेगा। यह नवीन भारत के लिए एक ऐतिहासिक निर्णायक क्षण है। कभी किसी को ऐसा लिखना न पड़े कि- लम्हों ने खता की थी- सदियों ने सजा पायी।

बल्कि हम कहें-लम्हों ने संभाला था- सदियों ने संवारा है।

- तरुण विजय

(लेखक पूर्व सांसद और वरिष्ठ पत्रकार हैं)

राजनीति का 'लालू मॉडल' प्रिय है रोहिणी आचार्य को

लोकसभा चुनाव 2024 जैसे-जैसे समाप्ति की ओर बढ़ता जा रहा है, वैसे-वैसे और अधिक रोमांचक होता जा रहा है। चुनाव आयोग की चिंता और कोशिश इस बात को लेकर नित्य-निरंतर जारी है कि लोकसभा चुनाव के सात चरणों के बेहद लंबे, लेंदी एवं उबाऊ शिड्यूल को वह शांतिपूर्वक एवं निर्विघ्न निपटा सके। हालांकि उसे राजनीतिक दलों और नेताओं से इस बात की अपेक्षा नहीं होगी... और न ही करनी चाहिए कि वे इस बेहद कष्टसाध्य एवं दिमाग खपाऊ लोकसभा चुनाव के शांति एवं स्वच्छतापूर्वक संचालन और समाप्ति के लिए उसकी प्रशंसा करेंगे और उसके कंधे पर भरोसे वाले अपने हाथ रखेंगे। दुर्भाग्य से फिलहाल तो ऐसा कतई नहीं होने वाला, यह चुनाव आयोग को भी अच्छी तरह से पता है और नेताओं को भी। यहां तक कि अब तो देश की जागरूक जनता भी इस गुत्थी को समझने लगी है। लेकिन बता दें कि परेशान केवल चुनाव आयोग ही नहीं है, बल्कि राजनेताओं के चेहरों पर भी चिंता की लकीरें और आखों में भय का खौफ स्पष्ट रूप से देखा और पढ़ा जा सकता है... और यही कारण है कि पराजय की चिंता और भय के वशीभूत हुए नेता अपनी विजय के लिए तरह-तरह के तीर और तुक्के आजमाने में लगे हैं।

कभी वे जाति का राग अलाप कर समाज को विभाजित करने का प्रयास करते हैं तो कभी धर्म के नाम पर घृणा की भट्ठी जलाकर उसमें मानवता और भाइचारे को खाक कर देना चाहते हैं, कभी मिथ्या समाचारों, आरोपों, नारों और वादों का सहारा लेते हुए जनता को मूर्ख बनाकर अपना उल्लू सीधा करना चाहते हैं तो कभी आगजनी, हिंसा और उत्पात को प्रोत्साहन देकर भय और आतंक का वातावरण तैयार करना चाहते हैं, ताकि वे चुनाव को ध्रुवीकरण के माध्यम से प्रभावित कर सकें, जिसका सीधा और नकारात्मक प्रभाव दूसरे पक्ष वाले प्रत्याशी तथा उनके मतदाताओं पर पड़ता है। निश्चत रूप से इस तिकड़मबाजी में कमोबेश आज सभी पक्षों और पार्टियों के नेता शामिल हो चुके हैं। दूसरे शब्दों में कहा जाए तो आज के इस धूमिल राजनीतिक माहौल में कोई भी दल या नेता दूध का धूला नहीं है या कहा जाए कि इस हमाम में सभी नंगे हैं। बहरहाल, बिहार की बात करें तो राज्य की चुनावी फिजा में लालू मॉडल राजनीति का दबदबा आज भी कायम है। वैसे बिहार का 1990 से 2005 के बीच का वह राजनीतिक दौर नहीं भूला जा सकता, जब लालू यादव मतपेटी से जिन्न निकालने का दावा करते थे। वे हंकड़कर कहते थे कि मतगणना के दिन मतपेटी से जिन्न निकलेगा और लालू चुनाव जीत जाएगा।

> ***आजकल राजनीति में प्राय: सबकुछ केवल लाभ और हानि को देखकर ही निर्धारित किया जाने लगा है। बहरहाल, लालू यादव ने बिहार की चुनावी भूमि में जिन तिकड़मबाजियों और चालबाजियों का बीजारोपण किया था, उसकी फसल आजकल उनकी संतानें काटने लगी हैं।***

हालांकि इसका आज तक पता नहीं लग पाया है कि वह तथाकथित जिन्न प्रत्याशियों को चुनाव जिताने में कितना सहायक अथवा कारगर था। पता तो आज तक यह भी नहीं चल पाया है कि वह जिन्न स्वयं लालू यादव को कितनी बार चुनाव जिताने में सफल रहा था। वैसे बिहार की राजनीति से उनका वह भूराबाल यानी चार प्रमुख अगड़ी कही जाने वाली जातियों अर्थात् भूमिहार, राजपूत, ब्राह्मण और लाला (कायस्थ) को साफ कर देने वाले जुमले को भी कैसे भूला जा सकता है, जिसने बिहार की राजनीति में जाति और वर्ग के नाम पर जनता के बीच एक मोटी और गहरी रेखा खींच दी थी। इतना ही नहीं, लालू राज में हिंसा राज्य की पहचान बन चुकी थी। अपहरण और हत्या का धंधा उद्योग की तरह चलाया जाने लगा था। बेटी-बहुओं के साथ दिन-दहाड़े बलात्कार करना, लूटपाट, आगजनी, छिनतई और मारपीट जैसी घटनाएं तो सामान्य बात मालूम पड़ती थीं। राज्य संगठित अपराध का गढ़ बन गया था, जिसकी राजधानी पटना बन गई प्रतीत होती थी। उस दौर को याद करें तो पटना हाइकोर्ट ने तब कई बार बिहार के लालू शासन की तुलना जंगल राज से करते हुए राज्य में विधि-व्यवस्था बनाए रखने की चेतावनियां दी थीं। यही नहीं, राज्य में राजनीतिक अपराध भी चरम पर पहुंच चुका था, जिसका ज्वलंत उदाहरण उनकी बेटी रोहिणी आचार्य के विवाह से जुड़ी एक घटना है।

बता दें कि रोहिणी की शादी के समय पटना में नए खुले गाड़ियों के शोरूम से लगभग 45 नई कारें जबरदस्ती उठा ली गई थीं। दर्जन भर दुकानों से लगभग 100 सोफा-सेट तथा अन्य फर्नीचर लाए गए थे। एक शोरूम से 07 लाख रुपए के डिजाइनर कपड़े उठा लिए गए थे और 50 किलो ड्राईफ्रूट्स के अलावा खाने-पीने की अन्य सामग्रियां भी लूट ली गई थीं। बताया जाता है कि इसी कारण से पटना के एक्जिबशिन रोड पर गाड़ियों के दो शोरूम बंद कर दिए गए थे और कुछ दिनों बाद टाटा कंपनी ने भी अपने शोरूम में ताला लगा दिया था। तब पटना में लालू यादव के सालों सुभाष और साधु यादव का दबदबा कायम था। सुभाष यादव की यह स्वीकारोक्ति तब मीडिया में चर्चा का विषय बनी थी कि जीजा ने उन्हें राव साहब (समरेश के पिता) के स्वागत के लिए कारों की व्यवस्था करने को कहा, जब उन्होंने विधायकों की गाड़ियां लाने का सुझाव दिया तो लालू यादव ने मना करते हुए कहा कि नई कारें लेकर आओ। गौरतलब है कि दूसरे दिन पटना हवाई अड्डे पर नई कारों की लंबी लाइन लगी थी, जिन पर रोहिणी संग समरेश लिखा स्टीकर लगा था। बेशक इस प्रकार की राजनीति में लालू सफल रहे तथा दुर्भाग्य से उन्हें समय-समय पर कांग्रेस समेत नीतीश कुमार, शरद यादव और रामविलास पासवान जैसे राज्य के प्रमुख नेताओं का साथ और समर्थन भी मिलता रहा, जिनकी राजनीति लालू की राजनीति से बिल्कुल ही भिन्न शैली और परंपरा वाली रही है।

इसका तात्पर्य यह है कि आजकल राजनीति में प्राय: सबकुछ केवल लाभ और हानि को देखकर ही निर्धारित किया जाने लगा है। बहरहाल, लालू यादव ने बिहार की चुनावी भूमि में जिन तिकड़मबाजियों और चालबाजियों का बीजारोपण किया था, उसकी फसल आजकल उनकी संतानें काटने लगी हैं। तेज प्रताप के कारनामों से तो सभी परिचित ही हैं कि कैसे जब भी वे मुंह खोलते हैं या कुछ राजनीतिक पहल करते हैं तो बेलगाम हो जाते हैं। अपनी इस बेलगामी के कारण वे अपनी तथा अपने दल की किरकिरी कई बार करा चुके हैं। हालांकि उनके छोटे भाई तेजस्वी की कुछ सधी चालें बताती हैं कि वे एक पेशेवर राजनीतिक व्यक्ति बनने की अभिलाषा रखते हैं, लेकिन उनकी एक बहन रोहिणी आचार्य भी अपने बेलगामी बोल के लिए अक्सर चर्चा का कारण बनती रहती हैं। अब एक बार फिर वे विवादों में घिर गई हैं। इस बार उन पर लोगों को हिंसा के लिए उकसाने का आरोप लगा है। बताया जा रहा है कि बिहार के सारण में लोकसभा चुनाव 2024 के 05वें चरण की वोटिंग के दौरान 20 मई की शाम को भिखारी ठाकुर चौक के पास बूथ संख्या 118 पर अपने समर्थकों के साथ पहुंच कर रोहिणी ने मतदाताओं से दुर्व्यवहार किया था। हालांकि आक्रोशित भीड़ को देखते हुए वे खुद तो वहां से निकल गईं, लेकिन जाते-जाते हिंसा की आग भड़का गईं।

अगले दिन सुबह हुए बवाल में तीन लोगों को गोली लगी, जिनमें से एक व्यक्ति की मौत हो गई और दो लोग अब भी अस्पताल में भर्ती हैं। पुलिस ने घटना को राजद-भाजपा कार्यकर्ताओं के बीच का झड़प बताया, जबकि सूत्र बताते हैं कि घटना का मुख्य कारण दो जातियों राजपूत और यादव के बीच के विवाद का उन्मादी होना था। देखा जाए तो रोहिणी के राजनीतिक तौर-तरीकों में वही पुराना राजनीति का लालू मॉडल या कहा जाए कि लालू कट राजनीति वाला अंदाज दिखाई पड़ता है, जो बिहार में 1990 से 2005 के बीच लालू यादव के 15 वर्षों के शासन वाले दौर की याद कराता है। उस परिप्रेक्ष्य में यदि रोहिणी के राजनीतिक पैंतरों को देखा जाए तो बिहार में जंगल राज के पुन: आ जाने की चिंता और भय होना स्वाभाविक है। बिल्कुल यही चिंता और भय आज बिहार की जनता के मन-मस्तिष्क में भी छाया हुआ है कि कहीं बिहार में पुन: जंगल राज तो नहीं आ जाएगा।

-चेतनादित्य आलोक

राशिफल

ज्येष्ठ कृष्ण पक्ष : षष्ठी | **(विक्रम संवत् 2081)**

मेष- (चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ)

व्यावसायिक सफलता का पूर्ण योग बन रहा है। स्वास्थ्य थोड़ा अभी भी मध्यम है। प्रेम, संतान का साथ है।

वृष- (ई, उ, ए, ओ, वा, वी, वू, वे , वो)

भाग्य साथ देगा। धर्म-कर्म में हिस्सा लेंगे। रुका हुआ कार्य चल पड़ेगा। यात्रा का योग बन रहा है।

मिथुन- (का, की, कु, घ, ड , छ, के, हो, हा)

बच के पार करें। कोई रिस्क न लें। स्वास्थ्य पर ध्यान दें। प्रेम संतान ठीक-ठाक, व्यापार भी अच्छा चल रहा है।

कर्क- (ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डा)

आनंददायक जीवन गुजरेगा। स्वास्थ्य में सुधार होगा। प्रेम संतान में भी थोड़ा सुधार रहेगा। व्यापार भी अच्छा चलेगा।

सिंह- (मा, मी, मु, मे, मो, टा, टी, टु, टे)

थोड़ा सा परेशानी का सामना करना पड़ेगा। चाहे स्वस्थ हो, चाहे कार्य क्रियाकलाप हो, बाधा महसूस करेंगे लेकिन जीत जाएंगे।

कन्या- (टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो)

भावुकता में आकर कोई निर्णय न लें। अभी महत्वपूर्ण निर्णय रोक कर रखें। स्वास्थ्य अच्छा, प्रेम संतान मध्यम, व्यापार अच्छा।

तुला- (रा, री, रु, रे, रो, ता, ती, तू, त)

गृह कलह के संकेत हैं। घरेलू सुख बाधित रहेगा। भूमि, भवन और वाहन की खरीदारी संभव है।

वृश्चिक- (तो, ना, नी, नु, ने, नो, या, यी, यू)

सकारात्मक ऊर्जा का संचार होगा। स्वास्थ्य में सुधार, प्रेम संतान का साथ, व्यापार भी अच्छा।

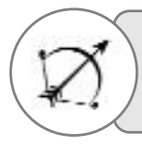

धनु- (ये, यो, भा, भी, भू, धा, फा, ढा, भे)

धन लाभ होगा। कुटुंबो में वृद्धि होगी, मुख को थोड़ा सा, मतलब जीभ को थोड़ा सा, वाणी को थोड़ा सा नियंत्रण में रखें।

मकर- (भो,जा,जी,जू,जे,जो,खा,खी,खू,खे,गा,गी)

जरूरत के हिसाब से वस्तुएं जीवन में उपलब्ध होंगी। स्वास्थ्य अच्छा, प्रेम संतान का साथ, व्यापार बहुत अच्छा।

कुम्भ- (गू, गे, गो, सा, सी, सु, से, सो, द)

मन चिंतित रहेगा। अज्ञात भय सताएगा। खर्च की अधिकता रहेगी। स्वास्थ्य नरम गरम, प्रेम संतान अच्छा, व्यापार अच्छा।

मीन- (दी, दु, झ, ध, दे, दो, च, चा, चि)

आय के नए मार्ग प्रशस्त होंगे। पुराने से भी पैसे आएंगे और रुपया पैसा मिलता रहेगा। स्वास्थ्य पर ध्यान दें।

राष्ट्रीय महिला आयोग व शी विंग्स का महिला स्वस्थ सम्मेलन आयोजित

नई दिल्ली। शी विंग्स ने राष्ट्रीय महिला आयोग (एनसीडब्ल्यू) के सहयोग से 'मासिक धर्म से रजोनिवृत्ति तक' के महत्वपूर्ण विषय पर एक विशेष कार्यक्रम का सफलतापूर्वक शुभारंभ किया। यह कार्यक्रम एनसीडब्ल्यू मुख्यालय में आयोजित किया गया।

सम्मेलन का उद्घाटन राष्ट्रीय महिला आयोग की अध्यक्ष श्रीमती रेखा शर्मा ने उद्घाटन भाषण के साथ किया। उन्होंने महिलाओं के स्वास्थ्य मुद्दों के बारे में व्यापक जागरूकता और समर्थन प्रणाली के महत्व पर जोर दिया, जो मासिक धर्म से लेकर रजोनिवृत्ति तक फैली हुई है। श्रीमती शर्मा ने महिलाओं के स्वास्थ्य के बारे में कलंक को तोड़ने के लिए निरंतर वकालत और शिक्षा की आवश्यकता पर प्रकाश डाला।

इस मुहिम का समर्थन करते हुए, सुश्री मीनाक्षी सिंह, आईआरएस, ने कहा, 'हम महिलाओं की शिक्षा और आर्थिक स्वतंत्रता का समर्थन करते हैं। शी विंग्स के संस्थापक मदन मोहित भारद्वाज ने स्वास्थ्य में सुधार के माध्यम से महिलाओं की उत्पादकता पर जोर दिया।

इस अवसर पर प्रियंका चौधरी रैना, डॉ. सभ्यता गुप्ता, डॉ. उपासना अरोड़ा, और डॉ. दीपाली भारद्वाज सहित कई डॉक्टरों और आयोग के साथ काम करने वाली महिलाओं ने अपने विचार और दृष्टिकोण साझा किए।

बुजुर्ग को टक्कर मारने वाले चालक समेत 2 गिरफ्तार

रविवार को तेज रफ्तार ऑडी की टक्कर लगने से हुई थी मौत

नोएडा। कोतवाली सेक्टर-24 क्षेत्र में रविवार सुबह ऑडी की टक्कर से बुजुर्ग की मौत के मामले में पुलिस ने आरोपित चालक और उसके साथी को गिरफ्तार करने के साथ कार को भी बरामद कर लिया है। हादसे के बाद क्षतिग्रस्त कार को आरोपित दिल्ली में किदवई नगर की पार्किंग में खड़ा कर फरार हो गए थे।

गुरुग्राम के प्रमोद कुमार की ऑडी को उसका साला लव कुमार उर्फ मामू निवासी गांव मोहम्मदगंज जिला पलामू झारखंड चला रहा था। साथ में उसी के गांव का दोस्त प्रिंस कुमार बैठा था। डीसीपी विद्या सागर मिश्र ने बताया कि ऑडी कार दिल्ली के किदवई नगर की पार्किंग में खड़ी थी। कार का शीशा टूटा है, जो इस बात की पुष्टि कर रहा है कि बरामद कार से ही हादसा हुआ था।

ऑडी कार तक पहुंचने के लिए पुलिस ने कंजनजंगा मार्केट से एम्स के सामने किदवई नगर की पार्किंग के बीच के करीब 200 से अधिक स्थान पर सीसीटीवी की फुटेज देखी। नोएडा से किदवई नगर तक पहुंचने के दौरान चालक ने कई जगह कार सर्विस लेन पर उतारी। ऐसे में एक अंतराल के बाद कार फुटेज में दिखनी बंद हो गई थी। उस दौरान भी कार का नंबर पता नहीं चल पाया था।

इसके लिए पुलिस ने घटनास्थल से पूर्व लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली। जहां कार की गति कम थी। उस दौरान कार का नंबर कैमरे में कैद हो गया। उससे पुलिस कार के मालिक तक पहुंच गई। कार स्वामी प्रमोद कुमार ने कार अपने साले लव कुमार को दी थी। वह दोस्त प्रिंस कुमार के साथ नोएडा आया था। हादसे के समय लव कुमार कार को चला रहा था। पुलिस ने कार को खोजने के लिए आरटीओ कार्यालयों से लेकर कार के शोरूमों तक जानकारी जुटाई।

आरोपित चालक की गिरफ्तारी के लिए नोएडा पुलिस की सात टीमें गठित हुई थीं। दरअसल, रविवार सुबह साढ़े पांच बजे आकाशवाणी से सेवानिवृत्त एक बुजुर्ग जनकदेव साह को ऑडी कार ने टक्कर मार दी थी। हस हादसे में उनकी मौत हो गई थी।

उस समय कार की रफ्तार करीब 100 किमी प्रतिघंटा के आसपास थी। मृतक के पुत्र प्रदीप कुमार साह ने कोतवाली सेक्टर-24 अज्ञात चालक के खिलाफ केस दर्ज कराया था।

हरियाणा नंबर की यह कार 10 जनवरी 2018 को जैनिका कार इंडिया प्राइवेट लिमिटेड के नाम से आर्चिड सेंटर सेक्टर-53 गुरुग्राम से खरीदी गई। इस कार को 14 अगस्त 2020 को द रिक कंपनी को बेचा गया।

भारतीय किसान यूनियन (बलराज) संगठन के बैनर तले अनिश्चित कालीन धरना सेक्टर-142 नोएडा शहदरा गांव में 105वे दिन भी जारी रहा।

250 से ज्यादा घरों में गंदे पानी की आपूर्ति महिलाओं ने किया विरोध प्रदर्शन

गाजियाबाद। पुराना विजयनगर में सब्जी मंडी के पास 250 से अधिक घरों में पांच दिन से गंदे पानी की आपूर्ति हो रही है। जिस कारण लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। आशंका है कि पेयजल लाइन टूटी होने के कारण यह समस्या है। शिकायत करने के बाद भी जब नगर निगम के अधिकारियों ने समस्या का समाधान नहीं कराया तो मंगलवार को लोगों ने विरोध प्रदर्शन किया है।

कॉलोनी में रहने वाली निर्मला ने बताया कि कॉलोनी में भूजल स्तर नीचे जाने के कारण घरों में लगे सबमर्सिबल ने पहले ही काम करना बंद कर दिया था। नगर निगम की ओर से यहां पर पानी की आपूर्ति की जाती है, लेकिन पिछले पांच दिन से घरों में गंदा पानी आ रहा है।

पानी इतना गंदा आ रहा है कि उसका इस्तेमाल नहाने, कपड़े धोने सहित अन्य घरेलू कार्य में भी नहीं किया जा सकता है। जिस कारण लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। पीने के साथ ही घरेलू कार्य के लिए भी बाजार से पानी की खरीद करनी पड़ रही है। जिससे आर्थिक भार पड़ रहा है।

उन्होंने बताया कि कॉलोनी में गंदे पानी की आपूर्ति होने से नाराज महिलाएं मंगलवार को कॉलोनी में एकजुट हुईं और नगर निगम के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया। प्रदर्शन के दौरान निर्मला, माया, सुमन, मंजू, रजनी, सरोज ज्ञानवती, गुलशन, इंदू सहित अन्य महिलाएं उपस्थित रहीं।

पृष्ठ एक के शेष....

केजरीवाल को 2 जून...

अंतरिम जमानत दी गई थी। जस्टिस संजीव खन्ना और जस्टिस दीपांकर दत्ता की बेंच ने अंतरिम जमानत का आदेश पारित करते हुए कहा था कि लोकसभा चुनाव इस साल की सबसे महत्वपूर्ण घटना है। सुप्रीम कोर्ट ने आगे कहा था करोड़ों मतदाता अगले 5 साल के लिए इस देश की सरकार चुनने के लिए अपना वोट डालेंगे। आम चुनाव लोकतंत्र को जीवन शक्ति प्रदान करते हैं। इसके महत्व को देखते हुए अभियोजन पक्ष की के उस तर्क को खारिज किया जाता है, जिसमें उन्होंने कहा था कि जमानत देने से राजनेताओं को इस देश के सामान्य नागरिकों की तुलना में लाभकारी स्थिति में होने का फायदा मिलेगा।

भाजपा प्रत्याशी करण...

लोग भाग खड़े हुए। सूचना मिलते ही मौके पर गांववालों की भीड़ जमा हो गई। सड़क पर विरोध के साथ-साथ आक्रोशित लोगों ने गाड़ी फूंकने की कोशिश भी की।

हादसे के बाद कटराबाजार, परसपुर, कौड़िया व करनैलगंज थाने की पुलिस फोर्स ने मोर्चा संभाल लिया। करनैलगंज-हुजूरपुर मार्ग पर करीब एक घंटे तक जाम लगा रहा। एसडीएम, अपर पुलिस अधीक्षक, सीओ करनैलगंज व सीओ सिटी के सामूहिक प्रयास और मुकदमे के आश्वासन के बाद आक्रोशितों ने जाम हटाया। पुलिस ने बताया कि इस हादसे में रेहान और शहजाद नामक दो युवकों की मौत हो गयी है। परिजनों की तहरीर पर मामला दर्ज कर लिया गया है। वहीं फार्च्यूनर गाड़ी के ड्राईवर को हिरासत में ले लिया गया है।

छात्रों के लिए रोडवेज...

मथुरा के लिए 254 रुपये किराया निर्धारित किया गया है। एआरएम ने बताया कि बच्चों के लिए स्पेशल सेवा है। हर घंटे बसें उपलब्ध रहेंगी। यात्रियों को किसी प्रकार की परेशानी का सामना नहीं करना पड़े इसका भी खास ख्याल रखा गया है। सभी चालकों को तैयार कर दिया गया है। आज सुबह से यह सेवा शुरू हो गई है।

शरिया कानून...

बोलते हुए कहा कि समाजवादी पार्टी ने 2012 और 2014 के चुनावों में अपने घोषणापत्र में कहा था कि वह मुसलमानों को भी आरक्षण देगी। समाजवादी पार्टी ने उत्तर प्रदेश पीएससी में 15 प्रतिशत मुस्लिम आरक्षण की घोषणा भी की थी। कलकत्ता हाईकोर्ट ने टीएमसी के फैसले को पूरी तरह से पलट दिया है और कहा है कि धर्म के आधार पर आरक्षण नहीं दिया जा सकता...कांग्रेस के घोषणापत्र में कहा गया है कि वे भारत में पर्सनल लॉ लागू करेंगे। यह देश बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर के बनाए संविधान से चलेगा।

लापरवाही के...

जरूरत नहीं है। प्राथमिक उपचार के बाद मनीष को घर भेज दिया गया। पीड़ित के अनुसार मनीष के पैर में दर्द होने के चलते 25 मई की रात को उसे दादरी के नवीन अस्पताल में भर्ती करवाया गया। परिवारजनों का आरोप है कि पूछने पर डॉक्टरों ने कहा कि मरीज की स्थिति सामान्य है।

मरीज को किसी अन्य अस्पताल में रेफर करने की जरूरत नहीं है। थाना प्रभारी ने बताया कि पीड़ित के अनुसार 28 मई को मनीष की उपचार के दौरान नवीन अस्पताल में मौत हो गई। उन्होंने बताया कि पीड़ित ने नवीन अस्पताल के मालिक, डॉक्टर और नर्स के खिलाफ लापरवाही से उपचार करने का आरोप लगाया है। उन्होंने बताया कि पीडित की शिकायत पर अज्ञात कार चालक तथा नवीन अस्पताल के मालिक, डॉक्टर तथा स्टाफ के खिलाफ धारा 304 -ए सहित विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है।

राष्ट्रीय लोक अदालत...

हेतु भी आवश्यक दिशा-निर्देश दिये गये। बैठक में अपर जिला जज/सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण ऋचा उपाध्याय के साथ नोडल अधिकारी राष्ट्रीय लोक अदालत चारुल यादव, तहसीलदार दादरी ओमप्रकाश पासवान, तहसीलदार सदर अजय कुमार, सहायक पुलिस आयुक्त यातायात पवन कुमार, उप निरीक्षक यातयात राहुल दीक्षित व अन्य अधिकारीगण उपस्थित रहे।

गरीब कैदियों की...

उक्त बैठक में अपर जिला जज/सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण गौतमबुद्धनगर ऋचा उपाध्याय के साथ अपर जिलाधिकारी प्रशासन डॉक्टर नितिन मदान, सिविल जज जू0डि0/प्रधान मजिस्ट्रेट किशोर न्याय बोर्ड आकृति, अधीक्षक जिला कारागार अरुण प्रताप सिंह व सहायक पुलिस आयुक्त व अन्य अधिकारीगण उपस्थित रहे।

बिहार: सरकारी विद्यालय की 14 छात्राएं बेहोश

42 डिग्री की गर्मी में भी खुले हैं राज्य के स्कूल

बेगूसराय, एजेंसी। बेगूसराय में बढ़ते गर्मी के बीच अचानक स्कूली 12 से अधिक छात्राए बेहोश हो गईं। बेहोशी के हालात में छात्रा को उसे जगह से उठाकर इलाज के लिए मटिहानी पीएचसी में भर्ती कराया जहां सभी छात्रा का इलाज चल रहा है। यह पूरा मामला मटिहानी थाना क्षेत्र के मटिहानी मध्य विद्यालय का है। अभिभावकों का कहना है कि भीषण गर्मी में भी बच्चों को छुट्टी नहीं दी गई है। शिकायत करने पर कहा जाता है कि शिक्षा विभाग के अपर मुख्य सचिव केके पाठक ने स्कूल को बंद करने का आदेश नहीं दिया है। अभिभावकों का कहना है कि 42 से 45 डिग्री तापमान के कारण बच्चे स्कूल में ही बीमार पड़ रहे हैं।

इस भीषण गर्मी के कारण मटिहानी मध्य विद्यालय में एक दर्जन से अधिक छात्राएं बेहोश होकर स्कूल में ही गिर गई। इसके बाद आननफानन में स्कूल के शिक्षकों ने उसे जगह से उठाकर इलाज के लिए मटिहानी पीएससी में भर्ती कराया। इनका इलाज जारी है। शिक्षकों ने बताया है कि भीषण गर्मी में सुबह 6:00 बजे से ही विद्यालय संचालित होता है। और इस समय भीषण गर्मी पड़ रही है। इस भीषण गर्मी के कारण लोग परेशान हो रहे हैं।

जब स्वस्थ रहेंगी महिलाएं, तभी खुशहाल रहेगा परिवार

नोएडा (चेतना मंच)। 28 मई को अंतर्राष्ट्रीय महिला स्वास्थ्य कार्रवाई दिवस है। आज के टाइम में महिलाएं घर ही नहीं दफ्तर के काम को भी बखूबी संभाल रही हैं लेकिन कई बार घर और ऑफिस की जिम्मेदारियों को निभाने में वो सेहत को इग्नोर कर देती हैं। यही कारण है कि उनमें हाइपरटेंशन, डायबिटीज की समस्याएं बढ़ रही है। इसलिए इसकी अनदेखी करना खतरनाक साबित हो सकता है।

यह बातें फेलिक्स अस्पताल की निदेशक डॉ. रश्मि गुप्ता ने अंतर्राष्ट्रीय महिला स्वास्थ्य कार्रवाई दिवस के अवसर पर कही। उन्होंने बताया कि हर साल 28 मई का दिन अंतर्राष्ट्रीय महिला स्वास्थ्य कार्रवाई दिवस रूप में मनाया जाता है। 2024 के लिए, थीम दबाव वाली चिंताओं को संबोधित करना और महिलाओं के स्वास्थ्य के लिए एक व्यापक दृष्टिकोण को बढ़ावा देना जारी रखती है।

साल 1987 में कोस्टा रिका में प्रजनन अधिकारों के लिए महिला वैश्विक नेटवर्क (डब्ल्यूजीएनआरआर) के सदस्यों के रीयूनियन के समय 28 मई को महिलाओं के स्वास्थ्य के लिए अंतर्राष्ट्रीय महिला स्वास्थ्य दिवस के रूप में सेलिब्रेट करने का एलान कर दिया गया था। तभी से हर साल 28 मई को इसे विश्व स्तर पर मनाया जाने लगा और महिलाओं को जागरूक करने के उद्देश्य से दुनियाभर में कई तरह के कार्यक्रम भी आयोजित किए जाने लगे थे। इस दिन को मनाने का मुख्य उद्देश्य है महिलाओं में यौन व प्रजनन स्वास्थ्य और अधिकार के बारे में जागरूकता करना। हाइपरटेंशन, डायबिटीज ज्याजा उम्र की महिलाओं में देखने को मिलती थी वहीं अब ये समय से पहले हो रही है।

बीमारी और गर्भावस्था के दौरान पौष्टिक आहार न लेना सबसे बड़ी भूल

मोतियाबिंद या अन्य तकलीफ की अनदेखी के कारण आंखों की रोशनी 60 फीसदी तक कम हो जाती है। औरों की फ्रिक और देखभाल में खुद की खुशियों और स्वास्थ्य को भी हाशिए पर धकेलने वाली महिलाएं तेजी से बीमारी की चपेट में आ रहीं हैं। कुछ स्वास्थ्य समस्याएं महिलाओं को विशेष रूप से प्रभावित करती हैं। स्तन कैंसर, सर्वाइकल कैंसर, मेनोपॉज, प्रेगनेंसी और मूत्रमार्ग संक्रमण (यूटीआई) से जुड़ी समस्याएं महिलाओं को विशेष रूप से प्रभावित करती हैं। महिलाओं में यौन संचारित रोगों का नुकसान भी अधिक होता है। हृदय रोग महिला और पुरुष दोनों को प्रभावित करता है। मगर महिलाओं में हृदय रोग की संभावना पुरुषों की तुलना में ज्यादा होती है। महिलाओं में गठिया की समस्या ज्यादा होती है। महिलाएं अवसाद और चिंता से ज्यादा घिरी रहती हैं। प्रसव के बाद अवसाद बढ़ता है।

महिलाओं में स्ट्रोक के मामले अधिक रहते हैं। क्योंकि गर्भनिरोधक दवाओं, हार्मोन रिप्लेसमेंट थेरेपी और गर्भावस्था के चलते स्ट्रोक का खतरा ज्यादा होता है। अधिक तनाव से बांझपन होने का खतरा भी बढ़ जाता है। हर साल लगभग लाखों महिलाएं स्तन और सर्वाइकल कैंसर के चलते मौत का शिकार हो जाती हैं। अगर इन कैंसर का सही समय से पता चल जाए तो ठीक होने की संभावना बढ़ जाती है। प्रेगनेंसी एक जटिल प्रक्रिया है।

यूटीआई और बैक्टीरिया संक्रमण गर्भधारण की क्षमता को प्रभावित नहीं करते है। मगर ध्यान न देने पर इनके हानिकारक परिणाम होते हैं। जागरूकता की कमी के चलते मां के स्वास्थ्य पर विपरीत प्रभाव पड़ता है। महिलाओं में हाई ब्लड प्रेशर, हाई कोलेस्ट्रॉल और धूम्रपान के चलते हृदय रोग का खतरा बढ़ रहा है। युवा महिलाओं में एचआईवी का खतरा अधिक रहता है।

इसी तरह एचपीवी या अन्य यौन संचारित रोग, मानसिक स्वास्थ्य समस्याएं और कम उम्र में स्वास्थ्य के प्रति लापरवाही महिलाओं के स्वास्थ्य से जुड़े हुए अहम मुद्दे हैं। एनीमिया एक ऐसी बीमारी है जो महिलाओं में बहुत ज्यादा होती है। इसमें खून की कमी होती है। महिलाओं में त्वचा का पीला पड़ना, चक?कर आना, थकान, सांस फूलना, सिर घूमना, दिल की धड़कन तेज होती जाती है। एनीमिया से बचने के लिए डाइट में आयरन, विटामिन सी और फोलेट से भरपूर भोजन का सेवन करना चाहिए। पॉलीसिस्टिक ओवरी सिंड्रोम (पीसीओडी) का शिकार महिलाएं ज्यादा होती हैं। महिलाओं में यह समस्या हार्मोनल इम्बैलेंस की वजह से होती है।

इस बीमारी में महिलाओं का पीरियड साइकिल बिगड़ जाता है। मोटापा बढ़ने पर यह परेशानी ज्यादा बढ़ जाती है। हेयर फॉल , स्किन पर पिम्पल्स और बढ़ता मोटापा इसके सामान्य लक्षण हैं। महिलाओं में मेनोपॉज की शुरुआत 42 वर्ष के बाद शुरू होता है। यह उनकी जिंदगी का ऐसा पड़ाव होता है, जिससे हर महिला को सामना करना पड़ता है। मेनोपोज़ के दौरान महिलाओं के परियड्स बंद हो जाते हैं। मेनोपॉज की वजह से फीमेल हार्मोन एस्ट्रोजन काफी कम हो जाता है। जैसे-जैसे महिलाओं की उम्र बढ़ती है उनकी हड्डिया कमजोर होने लगती हैं। हड्डियों की मजबूती बनाए रखने के लिए कैल्शियम और आयरन का सेवन करना चाहिए। धूप के साथ दूध, दही या पनीर कैल्शियम की कमी को पूरा करन के लिए बेहतरीन सोर्स माने जाते हैं।

इन बातों का रखें ध्यान:

परिवार व बच्चों को लेकर तनाव कम लें भोजन में पौष्टिक आहार को शामिल करें कम से 30 मिनट व्यायाम या वॉक करें कोई दवा खाती हैं तो नियमित रूप से लें अपनी तकलीफ को कतई छिपाएं नहीं हाइपरटेंशन, डायबिटीज की समस्याएं बढ़ रही है। हेल्दी लाइफस्टाइल, खानपान और नियमित व्यायाम से कई तरह की बीमारियों से खुद को महफूज रखा जा सकता है। महिलाएं शरीर के छोटे-छोटे दर्द जैसे, कमर, पीठ, घुटने व पैरों के दर्द को शुरुआत से ही अनदेखी करती हैं। जिसका परिणाम यह हुआ कि ऑपरेशन या लंबे इलाज की नौबत आती है। महिलाएं बीपी व डायबिटीज की दवा तक लेने से जी चुराती हैं। इस वजह से बीपी और डायबिटीज का स्तर काफी तेजी से बढ़ता है।

महिलाएं खुद की सेहत के लिए सबसे ज्यादा बेपरवाह होती हैं। पौष्टिक आहार से दूरी कई तरह का मर्ज जैसे, शारीरिक कमजोरी, घुटने, कमर, कंधे का दर्द, खून की कमी, थायराइड की परेशानी देता है। गर्भावस्था के दौरान भी 50 फीसदी महिलाएं कोई न कोई खुद के प्रति लापरवाही करती मिलती हैं। घुटने, कंधे, कमर दर्द, थायराइड, आंखों की रोशनी, मोटापा के प्रति ज्यादा बेपरवाह, मोतियाबिंद या अन्य तकलीफ से आंखों की रोशनी 60 फीसदी तक कम हो जाती है। शहर की तुलना में ग्रामीण महिलाएं खुद के स्वास्थ्य खासकर आंखों को लेकर बेपरवाह होती हैं।

दैनिक चेतना मंच
भगवान हनुमान बजरंग बली के अवतार श्री बालाजी (मेंहदीपुर) के संरक्षण में संचालित किया जाता है। समाचार-पत्र का यह अंक भी उन्हीं के चरणों में समर्पित है।
डाक पंजी. सं. L-10/GBD-574/99
RNI No. 69950/98
स्वामी मुद्रक प्रकाशक रामपाल सिंह रघुवंशी ने बीएफएल इन्फोटेक लि. सी-9, सेक्टर-3, नोएडा, गौतमबुद्धनगर (यू पी.) से छपवाकर, ए-131 सेक्टर-83, नोएडा से प्रकाशित किया।
संपादक-रामपाल सिंह रघुवंशी
Contact:
0120-2518100, 4576372, 2518200
Mo.: 9811735566, 8750322340
E-mail:
chetnamanch.pr@gmail.com
raghuvanshirampal365@gmail.com
raghuvanshi_rampal@yahoo.co.in
www.chetnamanch.com

उत्तर मध्य रेलवे
No: 230-Elect/TRD/PRYJ/EIG/2024 Dated : 22.05.2024
"सार्वजनिक अधिसूचना"
रेलवे लाइनों और परिसरों के सभी उपभोक्ताओं को एतदद्वारा सूचना दी जाती है कि रेलवे के निम्नलिखित खण्ड पर 132 के.वी., 50 हर्टज ए.सी. ट्रांसमिशन लाइन (दोहरा सर्किट) तारों को खण्ड के सामने विनिर्दिष्ट तारीख को या बाद में उर्जित किया जायेगा। उस तारीख पर और उस तारीख से ट्रांसमिशन लाइन को सब समय विदयुन्मय माना जायेगा और कोई अनाधिकृत व्यक्ति उस ट्रांसमिशन लाइन की सामीप्यता में दाखिला होने या काम करने नहीं दिया जायेगा।
ऊर्जीकृत करने का दिनांक : 10.06.2024 को अथवा उसके पश्चात
खण्ड : 132 केवी ट्रांसमिशन लाइन टावर नंबर 421 से 426 के बीच उत्तर मध्य रेलवे के प्रयागराज मंडल के टूंडला-गाजियाबाद खंड के रोजा जलालपुर गांव के मध्य।
द्वारा निर्गतः
वरिष्ठ मण्डल विद्युत अभियंता (कर्षण वितरण)
909/24(AN) प्रयागराज मण्डल, उत्तर मध्य रेलवे
North central railways www.ncr.indianrailways.gov.in @northcentralrailway @CPRONCR

उत्तर मध्य रेलवे
No.: 230-Elect/TRD/PRYJ/EIG/2024 Dated: 22.05.2024
सार्वजनिक सूचना
भारतीय रेलवे
एसी 132 के वी ट्रांसमिशन लाइन (दोहरा सर्किट) को चालू करना
"सड़क उपयोक्ताओं को चेतावनी"
जन साधारण की सूचना के लिए अधिसूचित किया जाता है कि 132 केवी ट्रांसमिशन लाइन टावर नंबर 421 से 426 के बीच उत्तर मध्य रेलवे के प्रयागराज मंडल के टूंडला-गाजियाबाद खंड के रोजा जलालपुर गांव के मध्य 132 के वी एसी ट्रांसमिशन लाइन आरंभ करने के लिए सभी समपारों पर सड़क सतह से 4.78-मी की स्पष्ट ऊंचाई पर ऊंचाई गेजें लगाई गई है ताकि बहुत अधिक ऊंचाई वाले लोड को विद्युन्मय ट्रांसमिशन लाइन (संपर्क तार) की खतरनाक सन्निकटता या सम्पर्क में आने से रोका जा सके जो कि लेवल क्रॉसिंग पर रेल स्तर से न्यूनतम 5.5 मीटर ऊपर कि ऊंचाई पर होगा।
जन साधारण को एतदद्वारा अधिसूचित किया जाता है कि वाहनों के लदान के प्रयोजन के लिए उक्त विनिर्दिष्ट ऊंचाई का पालन करें और यह देखें कि सड़क वाहन में ढोये जा रहे लोड से किसी भी स्थिति में ऊंचाई गेजों का अतिलंघन न करें।
अत्यधिक ऊंचाई के लोड के खतरे निम्नानुसार हैः- (1) ऊंचाई गेज के लिए खतरा और उसके फलस्वरूप सड़क और रेलवे लाइन पर बाधा। (2) वाहन पर ले जाये जा रही सामग्रियों या उपस्कर को खतरा। (3) चालकों की खतरनाक सामीप्यता या संपर्क के कारण आग को खतरा और जीवन की हानि का खतरा।
ऊर्जित करने का तिथि 10.06.2024 को अथवा उसके पश्चात
वरि. मण्डल विद्युत अभियंता (कर्षण वितरण)
911/24(A) प्रयागराज मण्डल, उत्तर मध्य रेलवे
North central railways | www.ncr.indianrailways.gov.in | @northcentralrailway | @CPRONCR

खास खबर

मनीबॉक्स फाइनैंस ने वित्तीय वर्ष 2024 में मुनाफ़े में मजबूत टर्नअराउण्ड दर्ज किया

नई दिल्ली एजेंसी। मनीबॉक्स फाइनैंस, जो लघु-उद्यमों को व्यवसाय के लिए छोटे ऋण उपलब्ध कराती है, ने वित्तीय वर्ष 24 में रु 9.14 करोड़ का मुनाफ़ा दर्ज करते हुए वित्तीय वर्ष 23 की तुलना में मजबूत टर्नअराउण्ड हासिल किया है, जब कंपनी ने रु 6.80 करोड़ का घाटा दर्ज किया था। शाखा विस्तार, उच्च उत्पादकता और ऋण साझेदारियों में विकास के चलते मनीबॉक्स का एयूएम 112 फीसदी की उल्लेखनीय बढ़ोतरी के साथ 31 मार्च 2024 को रु 730 करोड़ तक पहुंच गया। कंपनी को जाने-माने बैंकों जैसे स्टेट बैंक ऑफ इंडिया, एचडीएफसी बैंक और कोटक महिन्द्रा बैंक सहित 32 ऋणदाताओं का समर्थन प्राप्त है और विकास योजनाओं को समर्थन प्रदान करने के लिए यह पूंजी की मजबूत स्थिति में है। कंपनी ने मार्च 24 में 8 राज्यों में 100 शाखाओं तक अपने संचालन का विस्तार किया, जबकि पिछले साल 6 राज्यों में कंपनी की 61 शाखाएं थीं। गुजरात और बिहार राज्यों में प्रवेश के साथ वित्तीय वर्ष के दौरान भोगौलिक एवं उत्पाद विविधीकरण में भी विस्तार हुआ है। इसी तरह एयूएम में सुरक्षित ऋण का योगदान जो वित्तीय वर्ष 23 के अंत में 5 फीसदी था, वह वित्तीय वर्ष 24 के अंत तक बढ़कर 24 फीसदी हो गया है। शाखा विस्तार, उच्च उत्पादकता और ऋण साझेदारियों में विकास के चलते एयूएम पिछले साल की तुलना में 112 फीसदी बढ़कर 31 मार्च 24 को रु 730 करोड़ के आंकड़े पर पहुंच गया। वहीं वित्तीय वर्ष 24 के दौरान रु 665 करोड़ का वितरण किया गया, जो पिछले साल की तुलना में 95 फीसदी अधिक रहा।

अजूनी बायोटेक लिमिटेड का वित्त वर्ष 24 में शुद्ध लाभ 93.75 प्रतिशत बढ़ा

मुंबई, एजेंसी। डेयरी किसानों की उत्पादकता में सुधार करने और टिकाऊ रूप से पशु धन प्रतिफल में वृद्धि करने के प्रति समर्पित, एक प्रमुख शुद्ध शाकाहारी पशु हेल्थ केयर सॉल्यूशंस कंपनी, अजूनी बायोटेक लिमिटेड (एनएसई = अजूनी) मैं वित्त वर्ष 24 की चौथी तिमाही और वित्त वर्ष 24 के अपने ऑडिटेड वित्तीय परिणामों की रिपोर्ट दी है. शुद्ध शाकाहारी एनिमल हेल्थ केयर सॉल्यूशन में अग्रणी ,अजूनी बायोटेक लिमिटेड ने नए प्रोडक्ट की क्वालिटी बढ़ाने, कीमत को नियंत्रित करने और ग्राहक संतुष्टि बढ़ाने के लिए अपना ब्रांड लॉन्च किया है. क्ष्२ष् मार्केट में विस्तार कर और भारतभर में 100 डीलरों की नियुक्ति कर और इस तिमाही के अंत तक 300 वितरण पॉइंट पार करने की योजना के साथ कंपनी का उद्देश्य अपनी बाजार उपस्थिति मजबूत करना और सीधे ग्राहकों को अभिनव प्रोडक्ट ऑफर करना है. कंपनी में कंपनी ने शुद्ध शाकाहारी कैटल फीड और मोरिंगा प्रोडक्शन में क्रांति पैदा करने के लिए यूएएमएमसीएल के साथ भागीदारी की है. यूएएमएमसीएल को डिपार्टमेंट ऑफ़ बायोटेक्नोलॉजी (भारत सरकार) और पंजाब स्टेट काउंसिल फॉर साइंस एंड टेक्नोलॉजी का समर्थन है. कंपनी इस एमओयू से टर्नओवर में पर्याप्त अतिरिक्त वृद्धि और अतिरिक्त शानदार मार्जिन प्राप्त होने की उम्मीद कर रही है. कंपनी ने डेराबस्सी ,पंजाब में मोरिंगा नर्सरी की खेती करने और मोरिंगा के प्लांटेशन के लिए 64,000 वर्ग यार्ड जमीन लीज पर ली है. शुद्ध शाकाहारी कैटल फीड और प्योर वेज सप्लीमेंट फीड ऑपरेशन ऑटो पायलट पर चल रहा है. कंपनी अब मोरिंगा पर फोकस कर रही है.सफलतापूर्वक रिसर्च किया गया है और व्यापारिक उत्पादन वित्त वर्ष 2025 -26 में शुरू होने की उम्मीद है. कंपनी वित्त वर्ष 24 - 25 में प्योर वेज कैटल फीड और प्योर वेज सप्लीमेंट फीड का टर्नओवर 100 से 125 करोड रुपए, वित्त वर्ष 2025-26 में 200 से 210 करोड रुपए और वित्त वर्ष 2026-27 में 250 से 270 करोड रुपए होने की उम्मीद कर रही है जबकि संभावित टर्नओवर पर पांच प्रतिशत कर बाद लाभ मार्जिन होने की संभावना है.

सोने की कीमतें छू रहीं आसमान, फिर भी सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड की बढ़ी डिमांड

मुंबई एजेंसी। गोल्ड असेट क्लास में निवेशकों की प्राथमिकता सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड की तरफ तेजी से बढ़ रही है। गोल्ड की तेजी से बढ़ रही रही कीमतों के बीच एसजीबी में निवेश को लेकर आकर्षण इस कदर बढ़ा है कि 2015 के बाद से जारी एसजीबी यूनिट्स में 30 प्रतिशत निवेश अकेले वित्त वर्ष 24 में किया गया। यहां तक की निवेशक सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड में पैसा लगाने के लिए कीमतों में बढ़ोतरी तक नजरअंदाज कर रहे हैं। उन्हें लग रहा है कि गोल्ड की कीमतें आगे जाकर और बढ़ेंगी। यही वजह है कि सेकेंडरी मार्केट में एसजीबी की यूनिट्स प्रीमियम पर ट्रेड हो रही हैं। आरएनएसई के आंकड़ों के मुताबिक कुल 64 गोल्ड बॉन्ड फिलहाल ट्रेडिंग के लिए उपलब्ध हैं। इनमें 62 प्रीमियम पर ट्रेड कर रहे हैं। सोमवार को 24 कैरेट गोल्ड (999) का भाव 71,162 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज रहा।

सोने में तेजी की संभावना

आनंद राठी शेयर्स व स्टॉक ब्रोकर्स के कमोडिटी-करेंसी हेड नवीन माथुर का कहना है कि गोल्ड की कीमतों में आगे भी तेजी की संभावना बन रही है। हमने देखा है कि गोल्ड की की मांग केंद्रीय बैंकों, श्वङ्खस्न और व्यक्तिगत खपत से बढ़ी है। इसलिए जो शुद्ध निवेशक हैं वे फिजिकल रूप से गोल्ड खरीदने के झंझट में नहीं पड़ना चाहते। इसलिए, वे एसजीबी के लिए जा रहे हैं। ऐसे में सेकेंडरी मार्केट में उपलब्ध गोल्ड बॉन्ड में निवेश को लेकर निवेशकों में उत्सुकता है।

एसजीबी को बेचने की उत्सुकता नहीं

गोल्ड की कीमतों में तेजी के रुख के बीच सेकेंडरी मार्केट में एसजीबी को बेचने को लेकर उत्सुकता नहीं हैं। कमोडिटी एक्सपर्ट्स का कहना है कि जिनके डीमैट अकाउंट है वे सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड सेकेंडरी मार्केट में खरीद सकते हैं। लेकिन ज्यादातर गोल्ड बॉन्ड फिलहाल प्रीमियम पर यानी मार्केट प्राइस से ऊपर चल रहे हैं। सबसे ज्यादा प्रीमियम पर दिखाई दिया। यह 6-7 पर्सेंट प्रीमियम पर सेकेंडरी मार्केट में उपलब्ध है। इसके अलावा भी कई सीरीज हैं। जानकारों के अनुसार सरकार ने वित्त वर्ष 2023-24 की पहली सीरीज को खरीदने का मौका 2023 में जून 19 से जून 23 के बीच दिया था। ऐसे में 21 फरवरी को सब्सक्राइब हुआ चौथी और अंतिम सीरीज (67वां गोल्ड बॉन्ड) को जून 2024 से पहले उपलब्ध होने की भी संभावना नहीं है।

36 से टूटकर 32 पैसे पर आ गया मोनोटाइप इंडिया लिमिटेड का शेयर

नई दिल्ली, एजेंसी। आज हम आपको एक ऐसे पेनी स्टॉक के बारे में बता रहे हैं, जिसकी कीमत हर दिन बढ़ रही है। यह शेयर है मोनोटाइप इंडिया लिमिटेड का। कंपनी के शेयर आज मंगलवार को भी 5 प्रतिशत का अपर सर्किट लगा है।

इससे पहले सोमवार को भी इसमें अपर सर्किट लगा था। पिछले पांच कारोबारी दिन में यह शेयर 10 प्रतिशत और पिछले छह महीने में 50ञ्च चढ़ा है। हालांकि, लंबी अवधि में इसने तगड़ा नुकसान भी कराया है। आपको बता दें कि साल 2016 में इस शेयर की कीमत 36 रुपये से अधिक थी और अब वर्तमान प्राइस के हिसाब से यह शेयर अब तक 97 प्रतिशत टूट चुका है। हालांकि, पिछले एक साल में इस शेयर ने मल्टीबैगर रिटर्न दिया है। सालभर में यह 170 प्रतिशत तक का रिटर्न दिया है। इस दौरान इसकी कीमत 32 पैसे से बढ़कर 86 पैसे हो गई है। इस साल वायटीडी में अब तक यह शेयर 15 प्रतिशत और पांच साल में 355 प्रतिशत तक का रिटर्न दिया है। कंपनी का मार्केट कैप 60.47 करोड़ रुपये का है। कंपनी के शेयर का 52 वीक हाई प्राइस 1.06 रुपये और 52 वीक का लो प्राइस 19 पैसे हैं। मार्च 2015 में, कंपनी के शेयरों ने 10 रुपये के फेस वैल्यू से 1 रुपये के फेस वैल्यू तक इक्विटी शेयरों का एक्स-ट्रेड स्टॉक स्प्लिट किया। कंपनी के शेयर 27 मई, 2024 तक 50 डीएमए और 200 डीएमए से ऊपर कारोबार कर रहे हैं। मोनोटाइप इंडिया लिमिटेड 1974 में स्थापित एक वित्तीय और निवेश कंपनी है। यह विभिन्न प्रकार की सर्विसेज प्रोवाइड करती है।

ऑल टाइम हाई पर पहुंच गए नवरत्न कंपनी के शेयर, दोगुना बढ़ा है कंपनी का मुनाफा

नई दिल्ली, एजेंसी। एलुमिना और एल्युमीनियम के प्रॉडक्शन और सेल्स बिजनेस से जुड़ी नवरत्न कंपनी नॉल्को के शेयरों में जबरदस्त तेजी आई है। नॉल्को के शेयर मंगलवार को बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज में 6 पर्सेंट से अधिक के उछाल के साथ 206.30 रुपये पर पहुंच गए हैं। कंपनी के शेयर मंगलवार को अपने ऑल टाइम हाई पर पहुंच गए हैं। नॉल्को के शेयरों में यह तेजी मजबूत नतीजों के बाद आई है। सरकारी कंपनी नॉल्को के शेयरों का 52 हफ्ते का लो लेवल 80.70 रुपये है।

नॉल्को को मार्च 2024 तिमाही में 996.94 करोड़ रुपये का कंसॉलिडेटेड प्रॉफिट हुआ है। एक साल पहले की समान अवधि के मुकाबले कंपनी का मुनाफा 101 पर्सेंट बढ़ा है। एक्सपेंसेज में तेज गिरावट आने की वजह से कंपनी के मुनाफे में यह उछाल आया है। मार्च 2024 तिमाही में कंपनी के एक्सपेंस सालाना आधार पर 14 पर्सेंट घटकर

2720 करोड़ रुपये रहे हैं। अगर वित्त वर्ष 2024 की बात करें तो कंपनी का मुनाफा 1988 करोड़ रुपये रहा है, जो कि वित्त वर्ष 2023 में 1434 करोड़ रुपये था। मार्च 2024 तिमाही में कंपनी का रेवेन्यू सालाना आधार पर 1.6 पर्सेंट घटकर 3663 करोड़ रुपये रहा है। नवरत्न कंपनी नॉल्को के शेयरों में पिछले एक साल में 130 पर्सेंट से ज्यादा का उछाल आया है।

550 पर जाएगा पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन का शेयर

नई दिल्ली, एजेंसी। पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन लिमिटेड के शेयर एक साल से अधिक समय से तेजी पर हैं। इससे उनके मौजूदा शेयरधारकों को मल्टीबैगर रिटर्न मिला है। इतना ही नहीं पीएसयू स्टॉक में अभी भी तेजी की काफी संभावनाएं हैं। आज, बीएसई पर पीएफसी के शेयर तेजी के साथ खुले और इंट्राडे में 521.35 प्रति शेयर के 52 वीक हाई पर पहुंच गए। बता दें कि यह लगातार तीसरा सेशन है जब पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन के शेयर लाइफ टाइम हाई लेवल पर पहुंच गए। पीएसयू स्टॉक पिछले सप्ताह शुक्रवार से लगातार रिकॉर्ड लेवल पर पहुंच रहे हैं।

क्या है तेजी की वजह

शेयर बाजार एनालिस्ट इस तेजी का श्रेय लोकसभा चुनाव 2024 के नतीजों के बाद बिजली क्षेत्र के लिए महत्वपूर्ण घोषणाओं की बाजार की उम्मीद को दे रहे हैं। इससे

पीएफसी के बिजनेस वॉल्यूम में और बढ़ोतरी की उम्मीद है। प्रॉफिटमार्ट सिक्योरिटीज के रिसर्च हेड अविनाश गोरक्षकर बताते हैं, बिजली की मांग में बढ़ोतरी के चलते पीएफसी के शेयर लगातार चढ़ रहे हैं। इसके अलावा, बाजार लोकसभा चुनाव 2024 के बाद बिजली और पीएसयू क्षेत्र के लिए महत्वपूर्ण घोषणाओं का उत्सुकता से इंतजार कर रहा है। यह देखते हुए कि पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन इन दोनों क्षेत्रों में काम करता है, बाजार दोनों मोर्चों पर कंपनी को लाभ पहुंचाने की क्षमता को लेकर आशावादी है, जिससे शेयर की कीमत बढ़ रही है। प्रॉफिटमार्ट सिक्योरिटीज एनालिस्ट ने कहा कि पीएफसी के शेयरधारक पीएसयू स्टॉक को अपने पास रखना जारी रख सकते हैं और पीएफसी शेयरों को महत्वपूर्ण तेजी की संभावना वाले पोर्टफोलियो शेयरों में से एक कहा जाता है। च्वाइस ब्रोकिंग के कार्यकारी निदेशक सुमीत बगाड़िया, पीएफसी के शेयर को लेकर पॉजिटिव हैं। उन्होंने कहा कि पीएसयू स्टॉक ने तकनीकी चार्ट पर 490 प्रति शेयर के स्तर पर ब्रेकआउट दिया है और अभी भी पॉजिटिव दिख रहा है। वह निवेशकों को लोकसभा चुनाव 2024 के नतीजों से पहले बाजार में उतार-चढ़ाव के कारण स्टॉक को 540 से 550 के निकट अवधि के टारगेट के लिए रखने की सलाह देते हैं, जबकि 480 पर स्टॉप लॉस बनाए रखते हैं।

उर्वी टी एंड वेज लैंप्स ने वित्त वर्ष 24 की चौथी तिमाही में आय में 50 प्रतिशत और एबिटडा में 196 प्रतिशत वृद्धि की घोषणा की

मुंबई, एजेंसी। इनकेंडस्सेंट और वेज आधारित ऑटोमेटिक लैंप्स की प्रमुख निर्माता और सप्लायर, उर्वी टी एंड वेज लैंप्स लिमिटेड (एनएसई कोड = उर्वी, बीएसई कोड = 543930) ने वित्त वर्ष 24 की चौथी तिमाही और वित्त वर्ष 24 के अपने ऑडिटेड वित्तीय परिणाम की घोषणा की है.

मुख्य वित्तीय विशेषताएं

वित्त वर्ष 24 की चौथी तिमाही में कुल आय 50.10 प्रतिशत वार्षिक बढ़कर 11.34 करोड़ हुई , एबिटडा 195.65 प्रतिशत वार्षिक बढ़कर 1.93 करोड़ हुआ . एबिटडा मार्जिन 837 बीपीएस वार्षिक बढ़कर 17.01 प्रतिशत हुई . कर बाद लाभ 0.55 करोड़ हुआ, वार्षिक बदलाव घाटा से मुनाफा में , कर बाद लाभ (प्रतिशत8 4.88 प्रतिशत , वार्षिक बदलाव घाटा से मुनाफा में . ईपीएस 0.5 , वार्षिक बदलाव घाटा से मुनाफा में वित्त वर्ष 24 में कुल आय 23.29 प्रतिशत वार्षिक बढ़कर 42.68 करोड़ हुई . एबिटडा 28.65 प्रतिशतवार्षिक बढ़कर 7.11 करोड़ हुआ .एबिटडा मार्जिन 69 बीपीएस वार्षिक बढ़कर 16.65 प्रतिशत हुई . कर बाद लाभ 145.83 प्रतिशत वार्षिक बढ़कर 2.13 करोड़ हुआ . कर बाद लाभ (प्रतिशत) 249 बीपीएस वार्षिक बढ़कर 5 प्रतिशत हुई . ईपीएस 145.57 प्रतिशत वार्षिक बढ़कर 1.94 हुई प्रदर्शन पर टिप्पणी करते हुए कंपनी के मैनेजिंग डायरेक्टर और सीईओ, श्री नीरज गडा ने कहा, हम वित्त वर्ष 24 में 150 प्रतिशत वृद्धि की रिपोर्ट देकर अति हर्षित है.

गर्मियों में स्किन बाय टाइटन के बॉडी मिस्ट कलेक्शन के साथ पाएं ताज़गी से भरपूर अहसास

मुंबई, एजेंसी। इन गर्मियों में हैवी फ्रैगरेन्स को कहें गुडबाय और रिफ्रैशिंग फ्रैगरेन्स को अपनाएं, स्किन बाय टाइटन के वाइब्रेन्ट समर बॉडी मिस्ट कलेक्शन के साथ! सेंट की इस रेंज को खासतौर पर आपको कूल और रिफ्रैशिंग रखने के लिए डिज़ाइन किया गया है, इस के साथ आप दिन भर महकते रहेंगे। हाई-वॉटर कंटेंट और सूदिंग इनग्रीडिएन्ट्स जैसे एलो वेरा और कैमोमाइल से बने ये मिस्ट अपनी भीनी खुशबू के साथ घंटों तक आपको तरोताज़ा रखेंगे। इसका हर स्प्रे सुनहरी धूप की तरह आपकी त्वचा पर खुशबू की एक स्फूर्तिदायक परत बनाता है, जो दिन भर आपको कूल और रिलेक्स बनाए रखती है। समर बॉडी मिस्ट कलेक्शन में सात मनमोहक फ्रैगरेन्सेज़ हैं, इनमें से हर एक को अनूठे समर सिगनेचर सेंट के रूप में तैयार किया गया है। कैरेमल चार्म आपको मिठास से भरपूर अनुभव प्रदान करेगा। वहीं बैरी रैप्सोडी फलों की भीनी खुशबू का आनंद देगा। इसी तरह एप्पल एल्युरे रसीले पके सेब जैसे ताज़गी का अहसास कराएगा। जैसमीन सेरेनेड में आपको फूलों की भव्यता और लोटस ब्लूम में फूलों जैसी शांति का अनुभव मिलेगा। इसी तरह सिट्रस ज़ेस्ट, सिट्रस फलों जैसी खुशबू के साथ आपकी इंद्रियों को जागृत कर देगा। वैलवेट इंडलजेन्स, वैलवेटी फूलों और नारियल की खुशबू के संयोजन के साथ लक्ज़री अनुभव प्रदान करेगा। स्किन बॉडी मिस्ट के साथ अपनी गर्मियों को परफेक्ट बनाएं और दिन भर अपने अनूठे स्टाइल की अभिव्यक्ति करें। गर्मियों में चढ़ते पारे के बीच दिन भर अपने आप को तरोताज़ा रखना ज़रूरी है और स्किन बॉडी मिस्ट को कुछ इसी तरह से डिज़ाइन किया गया है जो दिन भर फ्रैगरेंस के साथ आपका साथ निभाएंगे।

कॉम्फीन अपने ऑफिशियल लॉन्च के साथ मैन्स्ट्रूअल केयर में बदलाव लाने के लिए तैयार

माहवारी के दौरान महिलाओं की हाइजीन संबंधी ज़रूरतों को पूरा करने के लिए ब्राण्ड लेकर आया आधुनिक समाधान जो परफोर्मेन्स और आराम का बेहतरीन संयोजन है

मुंबई, एजेंसी। माहवारी के दौरान हाइजीन को बढ़ावा देने के प्रयास में मैन्स्ट्रूअल हाइजीन से जुड़े नए ब्राण्ड कॉम्फीन ने विश्व माहवारी हाइजीन दिवस के मौके पर अपने आधिकारिक लॉन्च की घोषणा की। ब्लू ओशन लैब्स द्वारा समर्थित कॉम्फीन रुब्संततलल्वनतब्वदपिकमदबम की अवधारणा के साथ हर महिला को आत्मविश्वास के साथ सशक्त बनाते हुए इनोवेशन एवं सामाजिक उत्तरदायित्व का प्रतीक बनने जा रहा है। गहन अनुसंधान और विकास के बाद ब्राण्ड, सभी महिलाओं के लिए माहवारी के दौरान हाइजीन के स्तर में बदलाव लाने और उन्हें आराम और सुविधा का बेजोड़ अनुभव प्रदान करने के लिए तत्पर है। कॉम्फीन के सह-संस्थापक श्री सिद्धार्थ भवसर ने कहा, ''कॉम्फीन मैन्स्ट्रूअल केयर टेक्नोलॉजी एक बड़ी प्रगति है। यह गहन अनुसंधान और विकास के बाद आधुनिक मैन्स्ट्रूअल हाइजीन प्रोडक्ट लेकर आया है। हम कॉम्फीन रेंज की सुरक्षा, प्रभाविता और उत्कृष्टता को सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। मॉलीक्युलर संरचना के अनुकूलन से लेकर आधुनिक निर्माण प्रक्रियाओं तक, हर चरण में महिलाओं के लिए हाइजीन को सर्वोच्च स्तर तक ले जाने का प्रयास किया गया है। यह लॉन्च महिलाओं की ज़रूरतों को पूरा कर उनके लिए सशक्त और समावेशी वातावरण का निर्माण करेगा।''

कॉम्फीन के सह-संस्थापक श्री मंजीत विशाल ने इस अवसर पर उत्साह व्यक्त करते हुए कहा, ''माहवारी के दौरान हाइजीन आज भी एक संवेदनशील मुद्दा है जो हर स्थान की महिलाओं और लड़कियों के सामाजिक एवं आर्थिक कल्याण को प्रत्यक्ष रूप से प्रभावित करता है। यही कारण है कि विश्व माहवारी हाइजीन दिवस के मौके पर हम एक अग्रणी शक्ति के रूप में कॉम्फीन का लॉन्च करने जा रहे हैं। हम इनोवेशन पर ध्यान केन्द्रित करते हुए समाज पर सकारात्मक प्रभाव उत्पन्न करने और इस महत्वपूर्ण क्षेत्र में बदलाव लाने के लिए तत्पर हैं।'' कॉम्फीन द्वारा पेश की गई सैनिटरी पैड्स की रेंज माहवारी के दौरान महिलाओं को विशेष आराम प्रदान करेगी। इस रेंज में मेन-स्ट्रीम पैड्स के साथ-साथ ग्राफीन-इन्फ्यूज़्ड सैनिटरी पैड भी शामिल हैं, जिनका लॉन्च जल्द किया जाएगा। सैनिटरी पैड्स में नोबेल पुरस्कार विजेता टेक्नोलॉजी, ग्राफीन के इस्तेमाल की शुरूआत कर, ब्राण्ड मैन्स्ट्रूअल वैलनैस में बड़ा बदलाव लाने के लिए तैयार है। ये आधुनिक पैड एक अनूठी खोज के साथ पेश किए गए हैं ।

आईआईएम लखनऊ ने लीडरों की ज्ञान प्रणालियों के माध्यम से प्रभावी संकट संचार के लिए रणनीतियों का अनावरण किया

लखनऊ, एजेंसी। भारतीय प्रबंधन संस्थान लखनऊ प्रो. अंजलि बंसल ने अन्य अंतरराष्ट्रीय विद्वानों के सहयोग से इस बात की अंतर्दृष्टि प्रदान की गई है कि लीडर अलग-अलग अनिश्चितता के संकट के दौरान प्रभावी ढंग से संचार की रणनीति कैसे बना सकते हैं। यह शोध विशेष रूप से कोविड-19 के नेतृत्व वाले संकट के मद्देनजर प्रासंगिक है, जिसने मजबूत आंतरिक संचार की आवश्यकता को रेखांकित किया है।

इस शोध के निष्कर्षों को प्रतिष्ठित पत्रिका 'जर्नलऑफ़नॉलेजमैनेजमेंट'में प्रकाशित किया गया हैमाउंट मार्टी यूनिवर्सिटी, यूएसए से डॉ. सी. लक्ष्मण, इटली के कैटेनिया विश्वविद्यालय से डॉ. मार्को रोमानो, आईआईएम विशाखापत्तनम से डॉ. शिविंदर निज्जर और जयपुरिया इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट से डॉ. रेखा अत्री के साथ सह-लिखित एक पेपर में, आईआईएम लखनऊ से प्रोफेसर अंजलि बंसल के साथ भारत।अंतर-संस्थागत अध्ययन ने जांच की कि कैसे लीडर संकटों से बाधित परिचालन और संबंधपरक प्रणालियों को बहाल करने और संतुलित

करने के लिए ज्ञान और संचार का प्रबंधन कर सकते हैं। मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ), मुख्य विपणन अधिकारी (सीएमओ), मुख्य वित्तीय अधिकारी (सीएफओ), मुख्य मानव संसाधन अधिकारी (सीएचआरओ) और संस्थापकों सहित 21 सी-सूटलीडरोंके साक्षात्कार के आधार पर, अनुसंधान ने वास्तविक दुनिया के दृष्टिकोण का विश्लेषण किया। संकट प्रबंधन पर.

शोध ने संकट की अनिश्चितता के स्तर के आधार पर शीर्ष लीडरों को उनकी संचार रणनीतियों को तैयार करने में मार्गदर्शन करने के लिए एक व्यापक रूपरेखा प्रस्तुत की। इससे पता चला कि कथित अनिश्चितता लीडरों को अलग तरह से प्रभावित करती है, जिससे उनका मानसिक और भावनात्मक तनाव दोनों प्रभावित होता है। यह, बदले में, संकट के दौरान मनोवैज्ञानिक रूप से उनके व्यवहार और प्रतिक्रिया पर प्रभाव डालता है।

शोध निष्कर्षों के बारे में बोलते हुए, आईआईएम लखनऊ में मानव संसाधन प्रबंधन की सहायक प्रोफेसर प्रोफ अंजलि बंसल ने कहा,प्रभावी संचार योजना, विशेष रूप से उच्च अनिश्चितता परिदृश्यों में, लीडरोंके लिए महत्वपूर्ण है। ज्ञान प्रणाली - ज्ञान बनाने, संग्रहीत करने और साझा करने के लिए प्रक्रियाएं, उपकरण और संसाधन - संकट संचार की तैयारी में लीडरोंकी मदद करते हैं। संचार में करुणा प्रदर्शित करने से कर्मचारियों को मदद मिल सकती है उत्तरजीवी के अपराध बोध से निपटना, जो संकट के बाद उनकी भलाई पर महत्वपूर्ण प्रभाव डालता है, इस बारे में हमारी समझ को गहरा करने के लिए और अधिक शोध की आवश्यकता है कि नेता विभिन्न संकटों के दौरान कैसे संवाद करते हैं।

विश्लेषण से पता चला कि लीडरों को संवेदनशील जानकारी के लिए आमने-सामने बातचीत के साथ, उच्च-अनिश्चितता संकटों में स्पष्ट रूप से, बार-बार और दयालुतापूर्वक संवाद करना चाहिए। कम-अनिश्चितता वाले संकटों में, डिजिटल माध्यमों का उपयोग करके संचार पूर्ण, पारदर्शी और प्रेरक होना चाहिए।

इस रूपरेखा ने संकेत दिया कि कुछ अवधारणाएँ, जैसे लीडरों की तत्परता, उनकी ज्ञान प्रणाली और अनुकूलित संचार, विश्वास पर प्रभाव डालती हैं और परिचालन और संबंधपरक प्रणालियों को संतुलित करने में मदद करती हैं। परिचालन परिणामों में व्यवसाय की निरंतरता और लचीलापन शामिल था, जबकि संबंधपरक परिणामों में सामंजस्यपूर्ण संस्कृति, कर्मचारी खुशी और सकारात्मक कर्मचारी अलगाव अनुभव शामिल थे। निष्कर्षों से पता चलता है कि दयालु संचार कर्मचारियों को उत्तरजीवी के अपराध के नकारात्मक प्रभावों से उबरने में मदद करता है, जो उनके मानसिक और मनोवैज्ञानिक कल्याण के लिए एक महत्वपूर्ण बाधा है। प्रभावी संकट संचार भी कर्मचारियों के बीच एकता को बढ़ावा देता है, संकट के प्रभाव को कम करने के लिए सहयोगात्मक प्रयासों को प्रोत्साहित करता है।

इंड्या ने श्रीमती संगीता जिंदल के नेतृत्व में 50 करोड़ रुपए की फंडिंग जुटाई

देश और दुनिया के बाजारों में अपनी मौजूदगी को और बढ़ाने के लिए किया जाएगा इस फंड का इस्तेमाल

मुंबई, एजेंसी। महिलाओं के प्रसिद्ध फैशन ब्रांड इंड्या और फेबएली की मूल कंपनी, हाई स्ट्रीट एसेंशियल्स (एचएसई) ने इक्विटी और ऋण निवेश के जरिये 50 करोड़ रुपए का फंड जुटाया है। फंडिंग राउंड का नेतृत्व जेएसडब्ल्यू फाउंडेशन की चेयरपर्सन श्रीमती संगीता जिंदल ने किया, जिसमें एसआरएफ ग्रुप के प्रतिष्ठित पारिवारिक कार्यालयों, साइएंट टैक्नोलॉजीज के कृष्णा बोडानापु और प्योर होम प्लस लिविंग से टिम्मी सरना ने भी भागीदारी निभाई।

इस फंड के जरिये इंड्या को अपने प्रीमियम परिधानों की रेंज 'वेडिंग्स बाय इंड्या' का रणनीतिक व्यापार विस्तार करने का अवसर मिलेगा। साथ ही,

कंपनी विशेष अवसरों पर पहने जाने वाले और शादी से जुड़े परिधानों के बाजार में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका के लिए विकास का रोडमैप तैयार कर सकेगी। 'वेडिंग्स बाय इंड्या' एक ऐसा क्यूरेटेड कलेक्शन है, जिसके तहत विवाह संबंधी परिधान और विभिन्न समारोहों के लिए तैयार किए गए पहनावे उपलब्ध कराए जाते हैं। कंपनी रोहित गांधी, राहुल खन्ना, वरुण बहल, आशीष एन सोनी, निखिल थम्पी सहित प्रसिद्ध भारतीय डिजाइनरों के साथ सहयोग के माध्यम से लक्जरी फैशन को ज्यादा से ज्यादा लोगों तक पहुंचाने की कोशिश कर रही है, और इन साझेदारियों के जरिये फैशन प्रेमियों के लिए डिजाइनर खूबसूरती को उपलब्ध कराने का प्रयास भी कर रही है। इंड्या ब्रांड में अपने निवेश पर टिप्पणी करते हुए, जेएसडब्ल्यू फाउंडेशन की चेयरपर्सन श्रीमती संगीता जिंदल ने कहा, ''इंड्या की मुख्य ताकत प्रसिद्ध भारतीय डिजाइनरों के अद्वितीय परिधानों में निहित है जो भारतीय लोगों के साथ ही दुनियाभर के प्रवासियों की जरूरतों को पूरा करते हैं। शिवानी और अनुराग ने मजबूत बैक-एंड क्षमताओं का निर्माण किया है और यह निवेश उन्हें इंड्या के वैश्विक विस्तार को बढ़ावा देने के लिए सशक्त बनाएगा, साथ ही उन्हें भारतीय विवाह परिधानों के एक विशाल बाजार में एक बड़ा हिस्सा लेने का अवसर भी मिलेगा। इस तरह निवेश की प्रक्रिया से भी आगे बढ़ते हुए हम देश की परिधान संबंधी कलात्मकता को वैश्विक बाजारों में ले जाने के लिए प्रतिबद्ध हैं।''

नीरज को करना पड़ रहा डर का सामना

पेरिस ओलंपिक में बस 2 महीने शेष बचे

नई दिल्ली। एएफआई अधिकारियों के साथ बैठक के बाद नीरज चोपड़ा ने दोहा डायमंड लीग के चार दिन बाद फेडरेशन कप में भाग लिया; एएफआई ने जून में अंतर-राज्यीय चैंपियनशिप में उनकी भागीदारी अनिवार्य करने पर जोर दिया, लेकिन इससे ओलंपिक के लिए उनके प्रशिक्षण और प्रतियोगिता कार्यक्रम में बाधा उत्पन्न होती; जेएसडब्ल्यू स्पोर्ट्स के शीर्ष अधिकारी ने कहा कि लगातार प्रतियोगिताओं के कारण 'थकान' हुई। पेरिस ओलंपिक से ठीक दो महीने पहले, भारत की सबसे बड़ी पदक उम्मीद नीरज चोपड़ा ने चेक गणराज्य के ओस्ट्रावा में विश्व एथलेटिक्स कॉन्टिनेंटल टूर गोल्ड इवेंट से नाम वापस ले लिया है, क्योंकि उन्हें मांसपेशियों में अकड़न की समस्या है। स्वास्थ्य संबंधी यह चिंता उस व्यस्त महीने के अंत में आई है, जिसमें टोक्यो ओलंपिक के भाला फेंक स्वर्ण पदक विजेता ने दो प्रतियोगिताओं - दोहा डायमंड लीग और भुवनेश्वर फेडरेशन कप - में भाग लिया था, जो सिर्फ चार दिन के अंतराल पर थीं।

नीरज ने सोशल मीडिया पर एक बयान में कहा कि हाल ही में थ्रोइंग सेशन के बाद उन्हें अपने एडक्टर में कुछ महसूस हुआ और मांसपेशियों की पिछली समस्याओं के कारण वे प्रतिस्पर्धा करने का जोखिम नहीं उठा रहे थे। उन्होंने कहा, "मैं चोटिल नहीं हूँ, लेकिन मैं ओलंपिक वर्ष के दौरान कोई जोखिम नहीं उठाना चाहता, इसलिए मुझे यह निर्णय लेना पड़ा। एक बार जब मुझे लगेगा कि यह पूरी तरह से ठीक हो गया है, तो मैं प्रतियोगिताओं में वापस आ जाऊँगा।" चोपड़ा का प्रबंधन करने वाली फर्म जेएसडब्ल्यू स्पोर्ट्स में स्पोर्ट्स एक्सीलेंस एंड स्काउटिंग की प्रमुख मनीषा मल्होत्रा ने कहा कि नीरज ने वापसी का कारण "लगातार होने वाली प्रतियोगिताएं" बताया। "नीरज ने एडिक्टर की जकड़न और दोहा और भुवनेश्वर में लगातार होने वाली प्रतियोगिताओं में भाग लेने की थकान के कारण वापसी की है। भुवनेश्वर में फेडरेशन कप के अगले दिन वह पोलैंड वापस चले गए, जहां वह प्रशिक्षण ले रहे थे। नीरज का मीट से बाहर होना एक एहतियाती कदम है। उन्हें अगले महीने तुर्कू में होने वाले पावो नूरमी खेलों में भाग लेना है," मल्होत्रा ने इंडियन एक्सप्रेस को बताया । 26 जुलाई से 11 अगस्त तक होने वाले ओलंपिक के इतने करीब नीरज की तैयारी में आई यह गिरावट एक सवाल खड़ा करती है: दुनिया के शीर्ष भाला फेंक एथलीट ने भुवनेश्वर में फेड कप जैसी घरेलू प्रतियोगिता में भाग क्यों लिया?

टी20 विश्व कप:चोटों के बावजूद भारतीय टीम सबसे मजबूत

लंदन। भारतीय क्रिकेट टीम को हर बार ही आईसीसी इवेंट में जीत का दावेदार माना जाता है। पिछले साल वनडे वर्ल्ड कप फाइनल में टीम खिताब जीतने से चूक गई लेकिन अब जो सामने टी20 विश्व कप है उसे वह हर कीमत पर अपने नाम करना चाहेगी। इंग्लैंड के पूर्व कप्तान इयोन मोर्गन का मानना है कि भारत का प्रतिभा का भंडार और टीम के भीतर जबरदस्त गहराई उन्हें आगामी टी20 विश्व कप जीतने का प्रबल दावेदार बनाती है। भारत लगभग उसी टीम के साथ उतर रहा है जो पिछले टी20 विश्व कप में खेली थी। हालांकि युवा यशस्वी जायसवाल, युजवेंद्र चहल और संजू सैमसन जैसे खिलाड़ियों को टीम में शामिल किया गया है। मोर्गन ने कहा, ''चोटों के बावजूद टूर्नामेंट में भारतीय टीम सबसे मजबूत है। उनकी मजबूती और गइराई शानदार है। वे मेरे लिए प्रबल दावेदार हैं, कागजों पर उनका स्तर। अगर वे मैदान पर भी ऐसा करते हैं तो मुझे लगता है कि वे टूर्नामेंट में किसी को भी आसानी से हरा सकते हैं।'' विकल्पों की अधिकता के कारण भारत शुभमन गिल और लोकेश राहुल जैसे खिलाड़ियों को भी टीम में शामिल नहीं कर पाया। मोर्गन ने कहा, ''अगर मैं टीम का चयन कर रहा होता तो एकमात्र फैसला जो अलग होता वह यह होता कि मैं यशस्वी जायसवाल पर शुभमन गिल को तरजीह देता। मैं उसके साथ खेला हूं, मुझे पता है कि वह कैसे सोचता है। मुझे पता है कि वह कैसे काम करता है।''

ऋषभ पंत ने 2 महीने तक ब्रश नहीं किया, 6 महीने दर्द में रहे

नई दिल्ली। टीम इंडिया के विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत का 2022 के अंत में एक्सीडेंट हो गया था। इसके बाद वह लंबे समय तक क्रिकेट से दूर रहे। अब पंत की वापसी हो रही है। ऐसे में उन्होंने अपने रिकवरी पीरियड के बारे में खुलकर बात की है। पंत ने IPL 2023, वनडे विश्व कप 2023, विश्व टेस्ट चैंपियनशिप और एशिया कप 2023 भी नहीं खेल पाए थे। इसके बाद IPL 2024 से पहले पंत ने दमदार वापसी की। उनके इस प्रदर्शन की बदौलत विकेटकीपर बल्लेबाज को टी20 विश्व कप 2024 के लिए भारतीय स्क्वाड में शामिल किया गया। पंत ने कहा, "चोट से उबरने के दौरान आत्मविश्वास बहुत महत्वपूर्ण है क्योंकि आपके आसपास लोग तरह-तरह की बातें कह रहे हैं और एक व्यक्ति के रूप में आपको यह सोचना होगा कि आपके लिए क्या अच्छा है। यह एक्सीडेंट मेरे लिए जीवन बदलने वाला अनुभव था। जब मैं इसके बाद उठा, तो मुझे यह भी यकीन नहीं था कि मैं जीवित रहूंगा, लेकिन भगवान ने मुझे बचाने के लिए बहुत दयालु थे।"पंत ने बताया, "मैं 2 महीने तक अपने दांत ब्रश भी नहीं कर सका और छह से सात महीने तक मुझे असहनीय दर्द का सामना करना पड़ा। मैं एयरपोर्ट पर नहीं जा सका क्योंकि मैं व्हीलचेयर में लोगों का सामना करने से घबरा रहा था। अब जब मैं क्रिकेट में वापसी कर रहा हूं, तो दबाव महसूस करने से ज्यादा मैं उत्साहित हूं। मुझे लगता है कि यह एक तरह से दूसरी जिंदगी है, इसलिए मैं उत्साहित हूं, लेकिन घबराया हुआ भी हूं।" IPL 2024 में पंत का प्रदर्शन शानदार रहा। उन्होंने 13 मैच की 13 पारियों में 40.54 की औसत और 155.40 की स्ट्राइक रेट से 446 रन बनाए। इस दौरान उनके बल्ले से 3 अर्धशतक निकले।

भारतीय जूनियर महिला हॉकी टीम जर्मनी से हारी

नई दिल्ली। भारत ने महिलाओं के लिए 2024 एवीसी चैलेंज कप के 5वें-8वें स्थान के लिए वर्गीकरण दौर में इंडोनेशिया के खिलाफ 3-1 (25-16, 30-32, 25-20, 27-25) से जीत दर्ज की। मंगलवार की सुबह रिजाल मेमोरियल कोलिज़ीयम में हुए उद्घाटन मैच में, अनुश्री काम्ब्राथ पोयिलिल ने 21 अंकों के साथ विजेता टीम का नेतृत्व किया, जबकि चार अन्य खिलाड़ियों सूर्या, जिनी कोवत शाजी, शालिनी सरवनन, अनघा राधाकृष्णन ने दोहरे अंक का आंकड़ा छुआ। इंडोनेशिया की जुनैदा सैंटी और कप्तान बेला सबरीना अगस्टिना ने शानदार प्रदर्शन करते हुए क्रमशः 24 अंक और 21 अंक बनाए। भारत ने पहले सेट में

ही विंग्स से अनुश्री और मध्य में सूर्या के साथ आक्रामक रुख अपनाया। कप्तान और सेटर जिनी ने भी आक्रामक अंक साझा किए और विरोधियों को मात देने के लिए एक्सप्रेस प्ले का सहारा लिया। इंडोनेशिया ने दूसरे सेट में अपनी गति बढ़ाई।

भारतीयों की तिकड़ी ने अमेरिका में बजाया डंका

टी20 वर्ल्ड कप से पहले किया बड़ा उलटफेर

नई दिल्ली। आईपीएल खत्म हो चुका है लेकिन रोमांच का डोज फैंस के लिए कम नहीं हुआ है। टूर्नामेंट के खत्म होने के बाद टी20 वर्ल्ड कप का खुमार क्रिकेट जगत में छाने लगा है। टूर्नामेंट का आगाज 1 जून से होना है। मेगा इवेंट से पहले भारतीय मूल के तीन प्लेयर्स ने अमेरिका में अपना डंका बजाया। लेकिन उनका धुआंधार प्रदर्शन आईपीएल के रोमांच में दब गया। अमेरिका की टीम ने अच्छी-खासी बांग्लादेश टीम को टी20 सीरीज में मात देकर बड़ा उलटफेर कर दिया।

हरमीत सिंह : यह वो नाम है जिसने भारत में एक नहीं बल्कि 2 बार अंडर-19 वर्ल्ड कप में अपना योगदान दिया है। हरमीत गेंद और बल्ले दोनों से कमाल दिखाने का माद्दा रखते हैं। 2012 अंडर-19 वर्ल्ड कप में टीम इंडिया को खिताबी जीत दिलाने में उन्होंने अहम भूमिका निभाई थी। लेकिन 2013 उनके लिए अच्छा साबित नहीं हुआ क्योंकि हरमीत का नाम आईपीएल में स्पॉट फिक्सिंग में आ चुका था। भले ही बीसीसीआई से उन्हें क्लीन चिट मिली लेकिन करियर में उनके लिए रास्ते बंद नजर आए। जिसके चलते हरमीत ने अमेरिका जाने का फैसला किया और अब वो क्रिकेट में नवजात यूएसए की टीम की रीढ़ बन चुके हैं। उन्होंने बांग्लादेश के खिलाफ 33 रन की नाबाद पारी खेली। इससे पहले कनाडा के खिलाफ हरमीत ने नाबाद 34

- **जसदीप सिंह:** एक ऑलराउंडर और एक बल्लेबाज के अलावा अमेरिका की टीम में भारतीय मूल के तेज गेंदबाज जसदीप सिंह भी हैं। जसदीप की उम्र 32 साल है और उनका जन्म अमेरिका में ही हुआ। जसदीप ने साल 2015 में यूएसए की टीम में डेब्यू किया था। बांग्लादेश के खिलाफ सीरीज जीतने में जसदीप की भी अहम भूमिका रही है। उन्होंने 3 पारियों में 2 विकेट अपना नाम किए।

सऊदी प्रो लीग

क्रिस्टियानो रोनाल्डो बने सर्वाधिक गोल करने वाले खिलाड़ी

नई दिल्ली। स्टार फुटबॉल खिलाड़ी क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने शानदार प्रदर्शन जारी रखा और वह सऊदी प्रो लीग के एक सीजन में सर्वाधिक गोल करने वाले खिलाड़ी बन गए हैं। फुटबॉल खिलाड़ी क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने अल इतिहाद के खिलाफ अल नासर के अंतिम मुकाबले में यह उपलब्धि हासिल की। रोनाल्डो ने अल इतिहाद के खिलाफ मुकाबले में दो गोल किए जो उनका इस लीग

के मौजूदा सीजन में 34वां और 35वां गोल था। इसी के साथ रोनाल्डो ने सीजन का समापन रिकॉर्ड बनाकर किया। रोनाल्डो ने अपने दो गोल के दम पर अल नासर की जीत में अहम भूमिका निभाई। रोनाल्डो ने अल इतिहाद के खिलाफ पहले हॉफ के स्टॉपेज समय (45+3 मिनट) में इस मैच का अपना पहला गोल दागा। इसके साथ ही वह सऊदी प्रो लीग के एक सीजन में सबसे ज्यादा गोल करने वाले खिलाड़ी बन गए।

फ्रेंच ओपन के पहले राउंड में हारे राफेल नडाल

राफेल नडाल कर सकते हैं संन्यास का ऐलान

राफेल नडाल फ्रेंच ओपन के पहले दौर में हारकर बाहर हो गए हैं। अलेक्जेंडर ज्वेरेव के खिलाफ मैच में नडाल को सीधे सेट में 3-6, 6-7, 3-6 से हार मिली। माना जा रहा है कि, 14 बार के चैंपियन का रोलां गैरो पर ये आखिरी मैच था। अपने लंबे और सुनहरे करियर में पहली बार नडाल क्लेकोर्ट पर लगातार दो मैच हारे हैं। फ्रेंज ओपन में पहली बार वह चौथे दौर से पहले बाहर हुए हैं। क्लेकोर्ट पर इस ग्रैंडस्लैम में उन्होंने 116 मैचों में 112 जीते हैं।

राफेल नडाल को संभवतः आखिरी बार खेलते देखने के लिए करीब 15000 दर्शक मौजूद थे, जिन्होंने तालियां बजाकर उनका अभिवादन किया। 22 बार के ग्रैंडस्लैम चैंपियन नडाल तीन जून को 38 साल के हो जाएंगे। वह जनवरी 2023 से कूल्हे और पेट की चोटों से जूझ रहे हैं। इस साल उन्होंने 15 मैच खेले और उनका रिकॉर्ड 8-7 का रहा है। चोटों की वजह से उनकी रैंकिंग गिरकर 275वीं हो गई और फ्रेंच औपन में पहली बार वह गैर वरीय खिलाड़ी थे।

इसी कारण से पहले ही दौर में उनका सामना चौथी वरीयता प्राप्त ज्वेरेव से हुआ जो 2020 अमेरिकी ओपन उपविजेता रहे, टोक्यो ओलंपिक में गोल्ड मेडल जीता और पिछले तीन साल में हर बार यहां सेमीफाइनल में पहुंचने वाले इकलौते खिलाड़ी हैं। नडाल ने संकेत दिया था कि 2024 उनका आखिरी सत्र होगा लेकिन उन्होंन शनिवार को ये कहा था कि उन्हें शत प्रतिशत यकीन नहीं है कि वह फ्रेंच ओपन में दोबारा नहीं खेलेंगे।

वहीं बता दें कि, रोजर फेडरर जैसे खिलाड़ी नडाल को फ्रेंच ओपन में नहीं हरा पाए हैं। वह फ्रेंच ओपन में इससे पहले 2010 में रॉबिन सोडरलिंग से और 2015 और 2021 में नोवाक जोकोविच से हारे थे। एक बार वह इंजरी की वजह से हट गए थे।

राफेल नडाल फ्रेंच ओपन के पहले दौर में हारकर बाहर हो गए हैं। अलेक्जेंडर ज्वेरेव के खिलाफ मैच में नडाल को सीधे सेट में 3-6, 6-7, 3-6 से हार मिली। माना जा रहा है कि, 14 बार के चैंपियन का रोलां गैरो पर ये आखिरी मैच था। अपने लंबे और सुनहरे करियर में पहली बार नडाल क्लेकोर्ट पर लगातार दो मैच हारे हैं।

बालाजी कन्सट्रक्शन कम्पनी

शॉप नं0 14, ओम कॉम्प्लेक्स, नया बॉस, सेक्टर–15, नोएडा (गौतमबुद्धनगर)

फोन– 0120– 2321857

मो0– 9811082962

एथलेटिक थेरेपिस्ट

स्पोर्ट्स में ब्राइट करियर

इंडिया में अगर इंजीनियरिंग, मेडिकल, आइएएस, एंटरप्रेन्योरशिप में करियर बनाने का क्रेज है, तो स्पोर्ट्स का पैशन रखने वाले और उसे प्रोफेशन के रूप में अपनाने वाले भी कम नहीं हैं। खिलाड़ी के रूप में नाम कमाने के अलावा स्पोर्ट्स गुड्स इंडस्ट्री से जुड़कर भी लाखों युवा अपना भविष्य संवार रहे हैं। एक अनुमान के अनुसार, इस इंडस्ट्री में पांच लाख से अधिक लोगों को रोजगार मिला हुआ है। इंटरनेशनल मार्केट में इंडियन स्पोर्ट्स गुड्स की विश्वसनीयता बढ़ने से एक्सपोर्ट मार्केट में इंडस्ट्री की धाक है। इधर, स्पोर्टिंग इवेंट्स में युवाओं की भागीदारी बढ़ी है। वे अपनी ट्रेनिंग और फिटनेस पर पूरा फोकस कर रहे हैं, जिससे एथलेटिक थेरेपी एक नए विकल्प के तौर पर सामने आया है।

क्या है एथलेटिक थेरेपी?

एथलेटिक थेरेपी को स्पोर्ट्स मेडिसिन भी कहते हैं। इसमें किसी भी खिलाड़ी की परफॉर्मेंस में सुधार लाने के लिए मेडिकल साइंस का इस्तेमाल किया जाता है। इसके तहत खिलाड़ियों को ट्रेनिंग देने की साइंटिफिक तकनीक बताई जाती है, जिससे वे चोटिल होने पर भी दोबारा जल्द वापसी कर सकते हैं या फिर चोटिल हुए बिना अपनी परफॉर्मेंस को बेहतर कर सकते हैं। एक एथलेटिक थेरेपिस्ट का काम किसी भी घायल खिलाड़ी को तुरंत राहत और सपोर्ट उपलब्ध कराना होता है। इसके अलावा, दूसरे हेल्थकेयर प्रोफेशनल्स, फिजिकल थेरेपी, फिजियोथेरेपी, ऑर्थोपेडिक एक्सपर्ट्स की मदद से खिलाड़ियों का रीहैबिलेशन किया जाता है। उन्हें चोट से बचाव के उपाय बताए जाते हैं।

एजुकेशनल क्वालिफिकेशन

एथलेटिक थेरेपिस्ट बनने के लिए आपके पास स्पोर्ट्स मेडिसिन (एमबीबीएस), स्पोर्ट्स फिजिकल थेरेपी में मास्टर्स डिग्री होनी चाहिए। साथ ही, एक्सरसाइज फिजियोलॉजी और एथलेटिक ट्रेनिंग में अतिरिक्त सर्टिफिकेट होने से फायदा मिलेगा। स्टूडेंट्स के पास फर्स्ट-एड और लाइफ सपोर्ट में सर्टिफिकट होना आवश्यक है। आप फिजियोथेरेपी में डिग्री कोर्स करके भी इस सेक्टर में आ सकते हैं। इंडिया में कई इंस्टीट्यूट्स और यूनिवर्सिटीज फिजियोथेरेपी में मास्टर्स कोर्स संचालित करती हैं।

बेसिक स्किल्स

एथलेटिक थेरेपिस्ट के लिए खेल के प्रति लगाव, मोटिवेशन और दृढ़निश्चय का होना सबसे पहली जरूरत है। इसके साथ ही गंभीर मेडिकल अवस्था की जांच के लिए क्लीनिकल एक्सपीरियंस होना चाहिए। इसके अलावा, बेसिक साइकोलॉजिकल स्किल्स होना भी जरूरी है, ताकि मरीजों से इंटरैक्शन में कोई दिक्कत न हो। जो लोग करियर में ऊंची छलांग लगाना चाहते हैं, उन्हें स्पोर्ट्स मेडिसिन में हो रहे लेटेस्ट डेवलपमेंट्स की जानकारी रखनी चाहिए।

संभावनाएं

इन दिनों जिस तरह से खिलाड़ी इंजरी मैनेजमेंट से लेकर अपने खेल को उन्नत बनाने के लिए साइंटिफिक अप्रोच के साथ काम कर रहे हैं, उसे देखते हुए जॉब मार्केट में एथलेटिक या स्पोर्ट्स थेरेपिस्ट की लोकप्रियता काफी बढ़ गई है। जिम और स्पोर्ट्स कल्चर के बढ़ने से भी यह एक आकर्षक विकल्प के रूप में चुना जा रहा है। मल्टीनेशनल स्पोर्ट्स कंपनीज एथलेटिक थेरेपिस्ट्स को हायर करती हैं। वैसे, इंजरी प्रिवेंशन या मैनेजमेंट, मस्क्यूलोस्केलेटल रिहैबिलिटेशन में ट्रेन्ड हेल्थकेयर प्रोफेशनल्स, चाहें तो इस सेक्टर में मनचाहा मुकाम हासिल कर सकते हैं।

सैलरी

एक एथलेटिक थेरेपिस्ट करियर की शुरुआत में 40 हजार रुपये आसानी से कमा सकता है। अनुभव बढ़ने के साथ ही सैलरी 75 हजार रुपये से तीन लाख रुपये महीने तक हो सकती है।

प्रमुख इंस्टीट्यूट्स

-जामिया मिलिया इस्लामिया, दिल्ली
www.jmi.ac.in
-मणिपाल यूनिवर्सिटी, बेंगलुरु
www.manipal.edu
-इंद्रप्रस्थ यूनिवर्सिटी, दिल्ली
www.ipu.ac.in
-एमिटी यूनिवर्सिटी, नोएडा
www.amity.edu
-गुरुनानक देव यूनिवर्सिटी, अमृतसर
www.gndu.ac.in
-डी.वाई. पाटिल यूनिवर्सिटी, पुणे

पर्यावरण इंजीनियरिंग में रोजगार की व्यापक संभावनाएं

पर्यावरण इंजीनियर नगर निगम की जल आपूर्ति और औद्योगिक अपशिष्ट उपचार प्रणाली को भी डिजाइन करते हैं । साथ ही साथ स्थानीय और विश्वव्यापी प्रदूषण के मुद्दों से मुखातिब होते हैं जैसे अम्ल वर्षा, ग्लोबल वार्मिंग, ओजोन क्षरण, जल प्रदूषण और वायु प्रदूषण आज पूरी दुनिया पर्यावरणीय समस्याओं से जूझ रही है । जलवायु परिवर्तन की समस्या के कारण पूरी मानवता पर संकट के बादल मंडरा रहे हैं । ऐसे में, जबकि हर जगह हरित अर्थव्यवस्था और हरित रोजगार की बातें हो रही हैं। पर्यावरण इंजीनियरिंग एक ऐसा ही क्षेत्र है जो व्यक्ति को पर्यावरण हितैषी रोजगार उपलब्ध करवाता है और प्राकृतिक संसाधनों की गुणवत्ता का स्तर सुधारने में योगदान भी देता है । पर्यावरण की गंभीर होती स्थिति ने पर्यावरण इंजीनियरिंग के क्षेत्र में रोजगार की काफी संभावनाएं उपलब्ध करवा दी हैं। पर्यावरण इंजीनियरिंग हवा, पानी और भूमि संसाधनों में सुधार करने और प्रदूषित स्थानों को सुधारने के लिए विज्ञान और इंजीनियरिंग के सिद्धांतों का अनुप्रयोग है। पर्यावरण इंजीनियर खतरनाक-अपशिष्ट प्रबंधन की व्यवस्था करते हैं पर्यावरणीय खतरों का मूल्यांकन करते हैं, इन खतरों के रोकथाम, के लिए योजना बनाते हैं और सलाह मुहैया कराते हैं। पर्यावरण इंजीनियर नगर निगम की जल आपूर्ति और औद्योगिक अपशिष्ट उपचार प्रणाली को भी डिजाइन करते हैं । साथ ही साथ स्थानीय और विश्वव्यापी प्रदूषण के मुद्दों से मुखातिब होते हैं जैसे अम्ल वर्षा, ग्लोबल वार्मिंग,ओजोन क्षरण जल प्रदूषण और वायु प्रदूषण। लोगों को पर्यावरण के अनुकूल ऊर्जा और उत्पादों की ओर आकर्षित करना पर्यावरण इंजीनियरिंग का मुख्य क्षेत्र है ।

पर्यावरण इंजीनियरिंग के कार्यक्षेत्र

पर्यावरण इंजीनियरिंग में कई प्रभाग हैं । प्रदूषक रासायनिक, जैविक ,थर्मल, रेडियोधर्मी और यांत्रिक भी हो सकते हैं। इसलिए पर्यावरण इंजीनियरिंग का क्षेत्र बहुत व्यापक हो जाता है । इसमें प्रमुख रुप से निम्न क्षेत्र शामिल हैं। कृषि इंजीनियरिंग जीवविज्ञान, रसायन इंजीनियरिंग, रसायन विज्ञान सिविल इंजीनियरिंग पारिस्थितिकी भूगोल भूविज्ञान खतरनाक अपशिष्ट जल उपचार पर्यावरण प्रभाव मूल्यांकन इस खंड में इंजीनियर और वैज्ञानिक पर्यावरणीय स्थितियों पर भौतिक, रासायनिक, जैविक, सांस्कृतिक और सामाजिक आर्थिक घटकों के प्रभाव का आकलन करते हैं। यह मूल्यांकन करने के लिए वैज्ञानिक और इंजीनियरिंग सिद्धांतों का प्रयोग किया जाता है।

योग्यता

पर्यावरण इंजीनियरिंग को कैरियर बनाने के इच्छुक अभ्यर्थी को प्लस के बाद पर्यावरण इंजीनियरिंग में बीएसी कर सकते हैं। पोस्ट ग्रेजुएशन में पर्यावरण इंजीनियरिंग में बीएसी करने वालों के साथ बीई अथवा बीटेक डिग्रीधारक भी प्रवेश ले सककते हैं। इसके अतिरिक्त पर्यावरण इंजीनियरिंग के क्षेत्र में डिप्लोमा भी अभ्यर्थियों के बीच काफी लोकप्रिय है।

संभावनाएं

पर्यावरण इंजीनियरिंग में रोजगार की व्यापक संभावनाएं हैं। प्रदूषण नियंत्रक संस्थाओं में डिजायनर अथवा प्लानर के रुप में आप कैरियर संवार सकते हैं। सरकारी और निजी संस्थाओं में रिसर्चर की नियुक्ति आकर्षक वेतनमान पर की जाती है। विश्वविद्यालय स्तर पर प्राध्यापक के रुप में भी आप अपने कैरियर की शुरुआत कर सकते हैं ।वेतनमानकैरियर के शुरुआती दौर में एक पर्यावरण इंजीनियर को आसानी से 25 से 30 हजार रुपए मिल जाते हैं। पर्यावरण इंजीनियरिंग में एम टेक कर चुके लोगों का वेतनमान प्राय- 35 से 50 हजार रुपए तक होता है।

संस्थान

- भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, हौज खास, नई दिल्ली
- भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, कानपुर
- रुड़की विश्वविद्यालय, रुड़की
- दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली
- मैसूर विश्वविद्यालय, मैसूर

आजकल के युवा पर्यावरण इंजीनियरिंग में कैरियर बना रहे हैं। इसमें कैरियर के लिहाज से बहुत अच्छा स्कोप है। आप जुलॉजी, इकोलॉजी में एमएससी करके इस फील्ड में खुद को स्थापित कर सकते हैं । एनवायरनमेंट इंजीनियरिंग पर्यावरण को बचाती है। एनवायरमेंट इंजीनियरिंग प्राकृतिक कंपोनेंट्स का मूल्यांकन कर उनकी गुणवत्ता का पता लगाती है और प्रकृति की दशा को सुधारने के लिए प्लान डिजाइन करती है।

एनवायरनमेंट इंजीनियरिंग के संस्थान में प्रवेश लेते समय छात्र को सर्वप्रथम यह ध्यान रखना चाहिए कि वह संस्थान मान्यता प्राप्त हो और उसमें अत्याधुनिक उपकरणों से सुसज्जित एक लैब हो। साथ ही, पढ़ाने वाले अध्यापक यूजीसी के मानकों को पूरा करते हों। एनवायरनमेंट इंजीनियरिंग में बेहतर स्कोप है जरूरत है तो कठिन परिश्रम व लगन की।

करियर के लिए प्लानिंग जरूरी

अपने लिए सही करियर चुनने का मौका हर युवा को मिलता है, परंतु इसके लिए आप में अपनी पर्सनैलिटी के हिसाब से सही फैसला लेना बेहद जरूरी है। वास्तव में इसकी तैयारी हम अपने शैक्षणिक काल में विषयों के चुनाव से ही आरंभ कर देते हैं। कभी-कभी इसमें लिया गया गलत निर्णय पूरे जीवन को प्रभावित करता है।

अवसर को पहचानना सीखें

कई बार जिंदगी हमें गलत फैसलों को भी ठीक करने का मौका देती है, जो हमारे जीवन की दिशा बदल सकता है। यदि आप सावधान हैं तो मिल रहे उन अवसरों को लपक सकते हैं। सवाल यह उठता है कि अब उस अवसर को पहचाना कैसे जाए। इसमें करियर काऊंसलर आप की मदद कर सकते हैं।

समझें मनोविज्ञान

हम में से अधिकांश ऐसा करते हैं कि दोस्तों ने जो विषय लिए हैं वही लेने हैं और कई वर्ष बाद जा कर महसूस होता है कि यह लाइन हमारे लिए नहीं थी। यदि हमने अपने लिए कोई ड्रैस भी खरीदनी है, तो उसके लिए कई बार सोचते हैं, कई दुकानें घूमते हैं, जबकि उस ड्रैस को हम मात्र 10-20 बार ही पहनते हैं। फिर करियर की जिस राह ने वर्षों तक हमारा हाथ थामना है, उसे हम दूसरों की नकल कर अपना लेते हैं, जबकि करियर ही तो हमें हमारे सपनों की राह तक ले जाता है।

करें विश्लेषण

अपनी स्ट्रैंथ, हॉबी एवं पैशन का विश्लेषण करें और समाज में एक खास शख्सियत के रूप में अपना नाम बनाएं। यदि समाज की बुराइयां आपको व्यथित करती हैं तो रिर्पोटिंग में जाएं और यदि पुरानी चीजों को समझना और गहराई से चिंतन करना भाता है तो पुरातत्व विभाग में जाएं। यदि आपको लोगों से मिलना और उन्हें मोटीवेट करना पसंद है, तो एच.आर. मैनेजर, मार्कीटिंग मैनेजर, शिक्षक, काऊंसलर या टूर गाइड जैसे करियर में किस्मत आजमाएं। यदि आपकी दिलचस्पी भवनों और स्थापत्य कला में है तो सिविल इंजीनियर के रूप में अपना करियर चुनें।

चाह सफलता और दौलत की

आज युवा वह करियर चुनना चहते हैं, जिसमें ढेर सारा पैसा और सफलता के अवसर भी हों। सिनेमा की फंतासी उनके इस ख्वाब को अधिक हवा देती है परंतु सफलता का पैमाना तो पत्रकारों, लेखकों, शैफ या काऊंसलर्स की लाइफ में भी होता है। सिर्फ डॉक्टर, वकील या इंजीनियर ही सफल व्यक्तित्व वाले नहीं माने जा सकते। जरूरत तो इस बात की है जो भी करियर आप चुनें, उससे शिद्दत से जुड़ें और सफलता के नए आयाम तलाशें।

सफलता प्राप्त करने का संक्षिप्त मार्ग....

पानी की एक-एक बूंद से जिस तरह घड़ा भर जाता है, उसी प्रकार थोड़े से अभ्यास से सभी प्रकार की विद्याएं, धार्मिक ज्ञान तथा धन प्राप्त किया जा सकता है। विद्वान को भोजन तथा अन्य आवश्यकताओं की पूर्ति की चिन्ता छोड़कर केवल धर्म संग्रह की चिन्ता करनी चाहिए क्योंकि परमात्मा ने दैहिक आवश्यकताओं की पूर्ति की व्यवस्था पहले ही कर दी है।

जीवन में सफलता प्राप्त करने का कोई संक्षिप्त मार्ग नहीं है। जीवन में धीरज के साथ अपने कर्म करने के साथ ही ज्ञानार्जन का अभ्यास सतत करना ही सफलता का मंत्र है। संक्षिप्त मार्ग ढूंढने का आशय है अप्राकृतिक साधनों की तरफ आकर्षित होकर अपने लिए विपत्तियों को बुलाना। लोग एक दिन में ही लखपति और फिर करोड़पति बनना चाहते हैं।

सच बात तो यह है कि अवैध या आपराधिक कार्यों में ही यह संभव है पर स्वच्छ और पवित्र व्यवसायों में तो धीरज के साथ ही उन्नति की तरफ बढ़ा जाता है। इस बात पर विचार कर सुख के साथ शांतिपूर्वक जीवन की इच्छा करने वालों को अपने व्यवसाय और नौकरी के साथ ही आध्यात्मिक विषयों में भी रुचि लेनी चाहिए।

इतना ही नहीं जीवन में परिश्रम से बचने का कोई प्रयास नहीं करना चाहिए। काम करने से ही आत्मविश्वास बढ़ता है और इसके लिए जरूरी है कि अपने प्रयास में नैतिकता और ईमानदारी बरतें। अपने व्यवसाय और आध्यात्मिक ज्ञान प्राप्ति के कार्य के निरंतर अभ्यासरत रहने से उपलब्धियां प्राप्त होती हैं और इस पर विश्वास करना चाहिए।

अनन्या पांडे की सीरीज कॉल मी बे प्राइम पर होगी रिलीज

बॉलीवुड के तमाम सितारे ओटीटी की तरफ रुख कर रहे हैं उनमें से एक अनन्या पांडे भी हैं। अनन्या पांडे पहले ही ओटीटी पर दस्तक दे चुकी हैं। अब उनकी नई सीरीज 'कॉल मी बे' आने वाली है जिसकी अनाउंसमेंट मेकर्स ने कर दी है। साथ ही इसकी रिलीज डेट के बारे में भी जानकारी दी है। धर्माटिक एंटरटेनमेंट प्रोडक्शन में बनी इस सीरीज के प्रोड्यूसर्स करण जौहर, अपूर्व मेहता और शोमेन मिश्रा हैं, और इसे इशिता मोइत्रा ने क्रिएट किया है। कॉलिन डी'कुन्हा के निर्देशन में बनी 'कॉल मी बे' में अनन्या पांडे लीड रोल में नजर आएंगी। वहीं इस सीरीज में वीर दास, गुरफतेह पीरजादा, वरुण सूद, विहान समत, मुस्कान जाफरी, निहारिका लायरा दत्त, लीसा मिश्रा और मिनी माथुर जैसे कलाकार नजर आएंगे। अमेजॉन प्राइम वीडियो ने अनन्या पांडे को टैग करते हुए 'कॉल मी बे' का पोस्टर शेयर किया है। इसके कैप्शन में लिखा गया, 'अपना कैलेंडर अपडेट कर लें । कॉल मी बे प्राइम पर 6 सितंबर को।' भारत और दुनिया भर के 240 से अधिक देशों और क्षेत्रों में प्राइम सदस्य 6 सितंबर से प्राइम वीडियो पर इस सीरीज को देख सकते हैं। अमेजॉन प्राइम वीडियो पर सबसे ज्यादा मनोरंजन के कंटेंट उपलब्ध हैं, ऐसा माना जाता है। अब 6 सितंबर को अनन्या पांडे की सीरीज भी आपके मनोरंजन के लिए रिलीज की जा रही है। इशिता मोइत्रा, समीना मोटलेकर और रोहित नायर ने 'कॉल मी बे' की कहानी को लिखा है। इसमें एक बे की कहानी है, जिसे एक धनी उत्तराधिकारी से संघर्षरत हसलर बनने के बाद पता चलता है कि उसकी सबसे मूल्यवान संपत्ति उसके हीरे नहीं हैं, बल्कि उसकी स्ट्रीट स्मार्टनेस और स्टाइल हैं। पूरी तरह से दरिद्र लेकिन हारने से इनकार करते हुए, वह मुंबई के न्यूज रूम में घूमती है और अपने प्यार, बहनों और अपने बेहतर व्यक्तित्व को ढूंढती है। इस सीरीज में आपको अनन्या पांडे का नया अवतार देखने को मिलेगा जो आपको खूब पसंद आएगा।

अक्षय को महंगे कपड़े पहनने पर पड़ती है डांट!

अक्षय ने कहा डेट नाइट पर जब मैं और टीना जाते हैं तो वो ही मेरे आउटफिट्स डिसाइड करती हैं। कई बार वो मुझे सरप्राइज देने के लिए कहती हैं। ट्विंकल को हमेशा से ही मैं व्हाइट शर्ट, ब्लू या ब्लैक जीन्स में अच्छा लगा हूं। बॉलीवुड एक्टर अक्षय कुमार फिल्मों के जरूर बॉस रहे हैं, लेकिन घर पर ये एक साधारण इंसान की तरह ही रहते हैं। घर की बॉस ट्विंकल खन्ना हैं और वो सबकुछ मैनेज करके चलती हैं। हाल ही में एक इंटरव्यू में अक्षय ने बताया कि अक्सर ही ट्विंकल उनसे कहती हैं कि वो अपने लुक्स से उन्हें सरप्राइज करें। क्योंकि अक्षय काफी सेम कपड़े पहनते हैं। डेट नाइट पर अगर जाना हो तो अक्षय से वो ये बात कहती हैं हालांकि, इसी के साथ वो ये भी कहती हैं कि तुम कुछ ज्यादा ओवर मत कर लेना। अक्षय ने कहा- डेट नाइट पर जब मैं और टीना जाते हैं तो वो ही मेरे आउटफिट्स डिसाइड करती हैं। कई बार वो मुझे सरप्राइज देने के लिए कहती हैं। ट्विंकल को हमेशा से ही मैं व्हाइट शर्ट, ब्लू या ब्लैक जीन्स में अच्छा लगा हूं। ट्विंकल को पसंद नहीं कि मैं बहुत ज्यादा महंगे कपड़े पहनूं. आउटफिट्स को लेकर बहुत सोचूं। तो इसलिए शर्ट और पैंट बेस्ट लगते हैं। आप कभी भी साधारण लुक में बेकार नहीं लग सकते। कई बार आदमियों को आदमी की तरह दिखना चाहिए। ये कोई स्टेटमेंट नहीं, बस ये है कि नॉर्मल रहो

मिस्टर एंड मिसेज माही के गाने का वीडियो रिलीज

बॉलीवुड अभिनेता राजकुमार राव और अभिनेत्री जान्हवी कपूर की आने वाल फिल्म मिस्टर एंड मिसेज माही से विशाल मिश्रा रचित और गाया गीत रोया जब तू का वीडियो रिलीज कर दिया गया है। राजकुमार राव और जान्हवी कपूर अभिनीत फिल्म मिस्टर एंड मिसेज माही का ट्रेलर और दो गीत प्रेम गीत 'देखा तेनु' और 'अगर हो तुम' रिलीज हो गये हैं। इस फिल्म का पूरा संगीत एल्बम का हाल में अनावरण किया गया। फिल्म के निर्माताओं ने अब इसके दिल दहला देने वाले गीत 'रोया जब तू' के आधिकारिक वीडियो का अनावरण किया है। विशाल मिश्रा द्वारा रचित और गाया गया, दिल को झकझोर देने वाला यह गीत अज़ीम दयानी के सहयोग से विशाल मिश्रा द्वारा लिखे गए हैं। 'रोया जब तू' राजकुमार राव और जान्हवी कपूर के रिश्ते में आने वाली चुनौतियों के साथ-साथ उनके क्रिकेटिंग करियर में संघर्ष को भी चित्रित करता है।

'स्वातंत्र्य वीर सावरकर' जैसी फिल्म नहीं करेंगे रणदीप!

रणदीप हुड्डा को 'स्वातंत्र्य वीर सावरकर' में फिल्म देखा गया था। फिल्म में उनकी एक्टिंग को हर किसी ने काफी पसंद किया। इस फिल्म में रणदीप ने एक्टिंग करने के साथ ही साथ इसका निर्देशन भी किया था। अब इस फिल्म रिलीज होने के बाद उन्होंने इस फिल्म के बारे में कुछ ऐसा कह दिया है जिसे लेकर वे खबरों में हैं। याद दिला दें कि इस फिल्म में सावरकर की भूमिका निभाने के लिए रणदीप हुड्डा करीब 32 किलो वजन कम किया था। सावरकर के रोल में ढ़लने के लिए उन्हों कठिन दौर से गुजरना पड़ा था जो उनके लिए काफी मुश्किल था। उनके लिए भूखे रहकर एक्टिंग करना और साथ ही साथ इसका निर्देशन करना ज्यादा चुनौतीपूर्ण था। इसके बावजूद उन्होंने इन चुनौतियों का सामना किया। अब जब इस बारे में उनसे पूछा गया कि क्या वे फिर से ऐसी कोई फिल्म करना चाहेंगे तो उन्होंने बेहद चौंकाने वाला खुलासा किया है। रणदीप हुड्डा अब अपनी लाइफ में ऐसी कोई फिल्म नहीं करना चाहेंगे जिसमें उन्हें कई दिनों तक भूखा रहना पड़े। हुड्डा ने कहा -अभिनेता के तौर पर जब आप सेट पर काम करते हैं तो आप अपने आप में खोए रहते हैं और आपको सिर्फ उतना ही काम करना होता है, जितना आपसे कहा जाता है। लेकिन एक निर्देशक के तौर पर आपको हर चीज़ का ध्यान रखना होता है।

भैया जी का सिंगल स्क्रीन में जलवा!

मनोज बाजपेयी बॉलीवुड के मोस्ट टैलेंटेड और वर्सेटाइल एक्टर्स में से एक हैं। उन्होंने पिछले कुछ सालों में हिंदी सिनेमा ही नहीं बल्कि ओटीटी पर भी धाक जमा ली है । सत्या, राजनीति, सिर्फ एक बंदा काफी है, गुलमोहर और द फैमिली मैन सीरीज में एक्टर ने अपनी दमदार एक्टिंग का लोहा मनवाया है। वहीं एक्टर की मसाले से भरपूर 'भैया जी' हाल ही में सिनेमाघरों में रिलीज हुई है। ये फिल्म कई मायनों में खास है। दरअसल ये फिल्म मनोज बाजपेयी के करियर की 100वीं फिल्म है। इसके अलावा 'भैया जी' उनकी पत्नी शबाना रजा बाजपेयी की प्रोड्यूसर के रूप में पहली फिल्म है। हालांकि 'भैया जी' को उम्मीद के मुताबिक बॉक्स ऑफिस पर रिस्पॉन्स नहीं मिल रहा है। निर्देशक अपूर्व सिंह कार्की और मनोज बाजपेयी की जोड़ी ने बेहद सफल और पॉपुलर फिल्म 'सिर्फ एक बंदा काफी है' दी थी। अब दोनों 'भैया जी' लेकर आए हैं। भैया जी ने सोमवार की कड़ी परीक्षा पास कर ली है और वीकडे कलेक्शन का शानदार आंकड़ा हासिल किया है। इस मनोरंजक फिल्म को सिंगल स्क्रीन पर मिल रही प्रतिक्रियाएँ आगे रिलीज़ होने वाली अन्य हिंदी फिल्मों के लिए सकारात्मक संकेत देती हैं। चौथे दिन 88 लाख की कमाई।

कुल 4 दिन की कमाई 6.73 करोड़
शुक्रवार- 1.44 करोड़
शनिवार- 2.01 करोड़
रविवार- 2.40 करोड़
सोमवार- 88 लाख

'बीवी नंबर-1' के 25 साल पूरे, जानें दिलचस्प बातें!

25 साल पहले सलमान खान, करिश्मा कपूर और सुष्मिता सेन अभिनीत फिल्म 'बीवी नंबर 1' रिलीज हुई थी। यह फिल्म 28 मई 1999 को सिनेमाघरों में आई थी। यह एक मल्टी-स्टारर फिल्म थी, जिसमें करिश्मा कपूर, सलमान खान, सुष्मिता सेन, अनिल कपूर और तब्बू ने अहम भूमिका निभाई थी। फिल्म को दर्शकों का खूब प्यार मिला। इस फिल्म की सिल्वर जुबली के मौके पर जानिए फिल्म की कहानी और दिलचस्प किस्से।

25 साल पहले सलमान खान, करिश्मा कपूर और सुष्मिता सेन अभिनीत फिल्म 'बीवी नंबर 1' रिलीज हुई थी। यह फिल्म 28 मई 1999 को सिनेमाघरों में आई थी। यह एक मल्टी-स्टारर फिल्म थी।

बीवी नंबर 1 ने बॉक्स ऑफिस पर 49.81 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया था. यह एक रोमांटिक कॉमेडी फिल्म थी, जिसने लोगों को खूब हंसाया और एक पत्नी की ताकत भी दिखाई. विवाहेतर संबंध पर आधारित होने के बावजूद यह पूरी तरह से पारिवारिक फिल्म थी। 'बीवी नंबर-1 का निर्देशन डेविड धवन ने किया था। फिल्म में करिश्मा कपूर ने एक आदर्श गृहिणी पूजा मेहरा का किरदार निभाया था। सलमान खान ने (करिश्मा के) पति प्रेम की भूमिका निभाई। सुष्मिता सेन ने रूपाली नाम की एक मॉडल का किरदार निभाया था, जिसके प्यार में वह इतना पागल हो जाता है कि वह अपनी पत्नी और बच्चों को भी भूल जाता है।

रूपाली की वजह से पूजा का बसा-बसाया घर बर्बाद होने लगता है और वह अपने पति प्रेम (सलमान खान) को सबक सिखाने का फैसला करती है। फिल्म की कहानी और कॉन्सेप्ट दर्शकों को खूब पसंद आया।

लेकिन क्या आप जानते हैं कि इस फिल्म के लिए गोविंदा डायरेक्टर डेविड धवन की पहली पसंद थे? गोविंदा के पास फिल्म के लिए कोई फ्री डेट्स नहीं थीं, जिसके चलते ये फिल्म सलमान खान की झोली में चली गई। 12 करोड़ रुपये के बजट से बनी इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर जबरदस्त कमाई की. सलमान खान और करिश्मा कपूर की जोड़ी को भी दर्शकों ने खूब पसंद किया।

बकायेदार बिल्डर्स के साइट पर नोटिस चस्पा

4 जून के बाद सील होंगी संपत्तियां, की जाएगी बकाया राशि की वसूली

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा प्राधिकरण में 27 बिल्डर में से 12 बिल्डरों पर प्राधिकरण ने एक्शन लेना शुरू कर दिया है। इन बिल्डरों के साइट पर सार्वजनिक सूचना बोर्ड लगाया गया। जिस पर लिखा गया कि परियोजना से संबंधित समस्त कार्यवाही अनुमतियों पर रोक लगा दी गई है। तथा प्राधिकरण द्वारा उक्त भूखंड की परियोजना के अनावंटित फ्लैट को अटैच व आवंटन एवं पट्टा प्रलेख के निरस्तीकरण की कार्यवाही कभी भी की जा सकती है। अब तक आधा दर्जन से साइट पर इन बोर्ड को लगाया गया। प्राधिकरण ने बताया कि आचार संहिता हटते ही इन पर एक्शन होगा।

12 बिल्डर जिनकी साइट पर लगाए जा रहे नोटिस

इन 12 बिल्डरों को प्राधिकरण की ओर से नोटिस जारी किया गया। जिसका जवाब भी अब तक नहीं दिया गया। ऐसे में इनकी प्रापर्टी का सर्वे कराया गया । ताकि इनको सील कर प्राधिकरण बकाया निकाले और रजिस्ट्री खोली जा सके। प्राधिकरण एसीईओ वंदना त्रिपाठी ने बताया इन बिल्डरों की जो भी खाली इंवेट्री प्रॉपर्टी है उसको सील किया जाएगा। ताकि बकाया मिल सके और रजिस्ट्री शुरू हो सके।

इन परियोजना में खाली फ्लैट, प्लाट, दुकान धरोहर राशि का सर्वे पहले किया जा चुका है। बोर्ड के लिखे नोटिस के अनुसार इनकी संपत्तियों को कभी भी अटैच किया जा सकता है। जिस पर समय और तारीख नहीं दी गई है। प्राधिकरण ने बताया कि ये वो 12 बिल्डर है। जिन्होंने अमिताभ कांत की सिफारिश के तहत न तो सहमति दी और न ही ये प्राधिकरण की ओर से आयोजित बैठक का हिस्सा बने। इन पर करीब 1696 करो? से ज्यादा का बकाया है।

आकड़ों को देखे तो नोएडा में 57 में से 22 बिल्डरों ने 25 प्रतिशत धनराशि रुपए 173.77 करोड़ जमा करा दी है। इन 20 बिल्डरों से नोएडा प्राधिकरण को लगभग रुपए 450 करोड़ मिलेगा। 4 बिल्डरों द्वारा कुल 25 प्रतिशत धनराशि 83.47 करोड़ में आंशिक धनराशि 53.68 करोड़ जमा कराई। 18 ऐसे बिल्डर है जिन्होंने 25 प्रतिशत धनराशि जमा कराने के लिए सहमति दी है। जिन बिल्डरो ने 25 प्रतिशत रकम दी उनसे कुल 1604 रजिस्ट्री होंगी। प्राधिकरण ने 01 मार्च, 29 अप्रैल और 08 मई को अलग अलग स्थानों पर कैंप लगाकर 530 रजिस्ट्रियां कराई।

पार्किंग के जरिए करोड़ों कमा रहा प्राधिकरण!

सुविधाओं का अभाव, ठेकेदारों की मनमानी वसूली पर कंट्रोल नहीं

नोएडा (चेतना मंच)। देश के सबसे अमीर प्राधिकरणों में शामिल नोएडा को पार्किंग के ठेकों से करोडों की आमदनी हो रही है। लेकिन सुविधाओं के नाम पर नोएडा में न कोई सहूलियत है और न पार्किंग की मनमानी वसूली पर कोई नियंत्रण। शहर के समाजसेवी एवं अधिवक्ता रंजन तोमर द्वारा लगाई गई एक आरटीआई से कई बडे खुलासे हुए हैं, जिसमें प्राधिकरण ने 2024 से लेकर 2026 तक नोएडा में दिए पार्किंग ठेकों की जानकारी मांगी थी जिसमें कुछ यह बातें सामने आयी हैं।

क्लस्टर-1 जिसमें सेक्टर-2, 6, 8, 15, 16, 25, 27, 29, 30, 41, 50, 51, 61 एवं 104 हैं जिसके अनुबंध की तिथि 29 /1 /2024 से लेकर 28 /01 /2026 तक है की अनुबंधित राशि 858.53 लाख रुपए अर्थात तकरीबन 8.5 करोड रुपए है। जबकि क्लस्टर-3 में सेक्टर-33, 54, 57, 58, 59, 60, 144,125,126 ,127, 132 एवं 135 जिसकी अनुबंध तिथि 15 /03 /2024 से लेकर 14 /03 2026 है की अनुबंध धनराशि 2369.68 लाख रुपए अर्थात तकरीबन 23 करोड 69 लाख, वहीं क्लस्टर-7 जिसमें सेक्टर-74, 75, 76, 77, 78, 79, 94,104 एवं 120 हैं की अनुबंध तिथि 17 /01 /2024 से लेकर 16 /01 /2026 है एवं इसकी अनुबंध राशि 287.79 लाख है अर्थात तकरीबन 2.87 करोड रूपये।

गौरतलब है के पिछले दिनों रंजन तोमर द्वारा खुलासा किया गया था की प्राधिकरण द्वारा दिए गए ठेकों पर कई अनियमितताएं पायी जा रही हैं। ठेकेदार व उनके गुर्गे मनमानी राशि वसूल रहे हैं। बस/ट्रक की पर्ची गाडियों को देकर ज्यादा शुल्क वसूलते हैं एवं अलग से पैसे भी मांगे जाते हैं।

वाहनों के पंजीकरण की नई सीरीज शुरू, फैंसी नंबरों का आवेदन आज से

नोएडा (चेतना मंच)। सहायक संभागीय परिवहन विभाग (एआरटीओ) में वाहनों के पंजीकरण की पुरानी सीरीज UP-16 EH की सीमा समाप्त होने के बाद इसे बंद कर दिया गया है। अब आज से नये सीरीज UP-16 EJ शुरू हो गई है। एआरटीओ (प्रशासन) सियाराम वर्मा ने बताया कि वाहनों का नानफैंसी पंजीकरण नंबर लेने के लिए आज से आवेदन की प्रक्रिया शुरू हो गई। नंबर के इच्छुक लोग परिवहन विभाग की वेबसाइट पर जाकर 1000 रूपये जमा कराकर नयी सीरीज का नंबर ले सकते हैं।

जबकि फैंसी नंबरों का आवेदन कल 29 मई से शुरू होगा। इसके लिए आवेदन के परिवहन विभाग की बेवसाइट www.fancy.parivahan.goc.in पर आवेदन करना होगा तथा 5000 रूपये की राशि जमा करके नीलामी में भाग ले सकते हैं। यह आवेदन तीन दिनों तक चलेंगे।

सेक्टर-63 में किया हनुमान चालीसा का पाठ, उमड़े श्रद्धालु

नोएडा (चेतना मंच)। कल मंगलवार को भी श्री राम हनुमान सेवा समिति ने 96वीं हनुमान चालीसा का पाठ आयोजक समयपाल भगत तथा आदेश नंबरदार के नेतृत्व में सेक्टर-63 नोएडा में किया। जिसका संचालन अशोक यादव ने तथा अध्यक्षता राष्ट्रीय अध्यक्ष मुकतानन्द प्रधान ने की।

इस मौके पर भाजपा युवा मोर्चा के अध्यक्ष रामनिवास यादव, अनिल मास्टर, बबलू यादव, सुनील दत्त शर्मा, भूलेंराम यादव, गजन यादव, दीपक शर्मा, विनोद शर्मा, टीकू, परवीन सक्सेना, ललित यादव, अभिषेक, कालू, जितेंद्र, वरुण आदि भक्त उपस्थित रहे।

बता दें कि यह समिति हर मंगलवार को किसी न किसी मंदिर में हनुमान चालीसा का पाठ करती है।

नवरत्न फाउंडेशन का खोड़ा में दसवां कंप्यूटर शिक्षण केंद्र प्रारंभ

नोएडा (चेतना मंच)। आर्थिक रूप से कमजोर एवं वंचित वर्ग के बच्चों एवं महिलाओं को कंप्यूटर की विधिवत शिक्षा प्रदान करने के लिए प्रयासरत नवरत्न फाउंडेशन्स ने अपना दसवां कंप्यूटर शिक्षण केंद्र- पेट्रोनेट कंप्यूटर शिक्षण केंद्र खोड़ा कॉलोनी के वंदना एन्क्लेव में स्थित महाराजा अग्रसेन जूनियर हाई स्कूल में भारत की प्रख्यात गैस कंपनी पेट्रोनेट एल एन जी लिमिटेड के सी एस आर के तहत प्रारम्भ किया।

इस केंद का उद्घाटन पेट्रोनेट के वित्त निदेशक विनोद मिश्रा ने किया।

इस अवसर पर पेट्रोनेट के वाईस प्रसीडेंट कैप्टेन विकास सिंह, स्कूल के प्रबन्धक नेत्रपाल अग्रवाल, नवरत्न के मुख्य सरंक्षक अरविन्द श्रीवास्तव, महासचिव ए वी मुरलीधरन, निगम पार्षद नागेन्द्र चौहान, संतराम, राजेश कुमार, भाजपा के देवेन्द्र गिरी, इन्फोटेक सॉफ्टवेयर के संतोष कुमार, कांगेस के संजय सिन्हा स्कूल की प्रधानाचार्य श्रीमती अग्रवाल, श्रीमती सुनीता शुक्ला, श्रीमती ममता शर्मा, नीरज भटनागर, अजय मिश्रा इत्यदि उपस्थित रहे।

नवरत्न के अध्यक्ष डॉ. अशोक श्रीवास्तव ने बताया की इस केंद्र में 20 कंप्यूटर लगाये गये हैं तथा प्रात:कालीन शिफ्ट में इस स्कूल के बच्चे पढेंगे और सांध्य कालीन शिफ्ट बाहरी बच्चों के लिए ही खुली रहेगी। स्वागत उद्बोधन में नेत्रपाल अग्रवाल ने विशेष रूप से पेट्रोनेट एवं नवरत्न का आभार प्रकट किया। धन्यवाद ज्ञापन मुख्य सरंक्षक अरविन्द श्रीवास्तव ने किया।

हीट वेव की चपेट में आये महिला व पुरूष की मौत

दोनों के शव मेट्रो स्टेशनों के पास मिले, शिनाख्त नहीं

नोएडा (चेतना मंच)। हीट वेव के चलते नोएडा में अलग-अलग स्थानों पर एक महिला तथा एक पुरूष की मौत होने की जानकारी मिली है। नोएडा के थाना सेक्टर-39 क्षेत्र में बोटेनिकल गार्डन मेट्रो स्टेशन के पास एक महिला की लाश मिली। मीडिया सेल ने बताया कि पुलिस को सूचना प्राप्त हुई कि एक अज्ञात महिला उम्र करीब 55 वर्ष बोटेनिकल गार्डन मेट्रो के पास अचेत अवस्था में मिली है। जिसको तुरंत अस्पताल पहुंचाया गया जहां डॉक्टर द्वारा उसे मृत घोषित कर दिया गया। आस-पास जानकारी करने पर स्थानीय लोगों द्वारा बताया गया कि यह महिला पिछले काफी दिनों से बोटेनिकल गार्डन मेट्रो स्टेशन के आस-पास रहकर आने-जाने वाले लोगों से पैसे मांगकर जीवनयापन करती थी।

पुलिस का अनुमान है कि हीटवेव की चपेट में संभवत: उसकी मौत हो गई। अज्ञात महिला के शव का पंचायतानामा भरकर अग्रिम वैधानिक कार्रवाई की जा रही है। मृतका के शरीर पर कोई जाहिरा चोट के निशान नही है। प्रथम दृष्टया देखने से मृतका पहाड़ी या नेपाली मूल की प्रतीत हो रही है। शव की शिनाख्त के प्रयास किये जा रहे है।

सेक्टर-58 थाना क्षेत्र में सेक्टर-59 मेट्रो स्टेशन के पास एक 60 वर्षीय व्यक्ति का शव मिला। थाना सेक्टर-58 प्रभारी निरीक्षक अमित कुमार ने बताया कि पुलिस ने सूचना पर शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। शव की खबर लिखे जाने तक शिनाख्त नहीं हो पाई थी। आसपास के लोगों ने बताया कि वह रिक्शा चालक था तथा संभवत: हीटवेव की चपेट में आकर उसकी मौत हो गई। पुलिस शव की पहचान करने का प्रयास कर रही है।

नोएडा के डीएम की अपील, बढ़ते तापमान में रहें सावधान, गर्मी से बचें

नोएडा (चेतना मंच)। गौतमबुद्धनगर के जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा ने बढ़ते तापमान के चलते लू और गर्म हवाओं से सुरक्षित रहने के लिए जनपदवासियों से सावधानी बरतने की अपील की है। उन्होंने बताया कि 48 घंटों के दौरान उच्च तापमान में ज्यादा देर रहने या गर्म हवा के सम्पर्क में आने से लू लग सकती है,। उन्होंने गर्मी में अग्नि जैसी आपदाओं को रोकने के लिए जनपद के सभी अस्पताल, मॉल्स, विद्यालयों आदि में फायर सेफ्टी चेक करने के निर्देश दिये हैं।

उन्होंने बताया कि इंडियन मेट्रोलॉजिकल डिपार्टमेंट लखनऊ द्वारा जनपद में हीट वेव रेड अलर्ट जारी किया गया है। अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व अतुल कुमार के मार्गदर्शन में जिला आपदा प्रबन्धन प्राधिकरण गौतमबुद्धनगर द्वारा हीट वेव/लू से बचाव के लिए 'क्या करें, क्या न करें' के संबंध में जनहित में एडवाइजरी जारी की गई है। जिला आपदा विशेषज्ञ गौतमबुद्धनगर ओमकार चतुर्वेदी द्वारा बताया गया कि जनपद में वर्तमान में 45 डिग्री से भी ज्यादा तापमान हो रहा है।

हीट वेव/लू के दौरान क्या करें

- प्रचार माध्यमों पर हीट वेव/लू की चेतावनी पर ध्यान दें।
- अधिक से अधिक पानी पीयें, यदि प्यास न लगी हो तब भी।
- हल्के रंग के पसीना शोषित करने वाले सूती वस्त्र पहने।
- घर से बाहर निकलते समय धूप के चश्मे, छाता, टोपी व चप्पल का प्रयोग करें।
- अगर आप खुले में कार्य करते हैं तो सिर, चेहरा, हाथ, पैरों को गीले कपडे से ढककर रखें तथा छाते का प्रयोग करें।
- लू से प्रभावित व्यक्ति को छाया में लिटाकर सूती गीले कपडे से पोंछे अथवा नहलायें तथा चिकित्सक से सम्पर्क करें-
- यात्रा करते समय पीने का पानी साथ रखें।
- ओ0आर0एस0, घर में बने पेय पदार्थ जैसे-लस्सी, चावल का पानी, नीबूं पानी, छाछ आदि का उपयोग करें, जिससे शरीर में पानी की कमी की भरपाई हो सके।
- हीट स्ट्रोक, हीट रैश, हीट कैम्प के लक्षणों जैसे कमजोरी, चक्कर आना, सरदर्द, उबकाई, पसीना आना, बेहोशी आदि को पहचानना।
- यदि बेहोशी या बीमारी अनुभव करते है तो तुरन्त चिकित्सकीय सलाह लें।
- अपने घर को ठण्डा रखें। पर्दे, दरवाजे आदि का प्रयोग करें तथा रात व शाम के समय कमरों व घर को ठण्डा करने के लिये इन्हें खोल दें।
- पंखे, गीले कपडे का प्रयोग करें तथा बार-बार स्नान करें।
- कार्यस्थल पर ठंडे पीने का पानी रखें/उपलब्ध करायें।
- कर्मियों को सीधे सूर्य की रोशनी से बचने हेतु सावधान करें।
- श्रमसाध्य कार्यो को ठंडे समय में करने/कराने का प्रयास करें।
- घर से बाहर होने की स्थिति में आराम करने की समयावधि तथा आवृत्ति को बढायें।
- गर्भवती महिला कर्मियों तथा रोग्रगस्त कर्मियों पर अतिरिक्त ध्यान देना चाहिये।

हीट वेव/लू में क्या न करें:-

- जानवरों एवं बच्चों को कभी भी बंद/खडी गाडियों में अकेला न छोडें।
- दोपहर 12 से 03 बजे के मध्य सूर्य की रोशनी में जाने से बचें। सूर्य के ताप से बचने के लिये जहां तक सम्भव हो, घर के निचली मंजिल पर रहें।
- गहरे रंग के भारी तथा तंग कपडे न पहनें।
- जब बाहर का तापमान अधिक हो, तब श्रमसाध्य कार्य न करें।
- अधिक प्रोटीन तथा बासी एवं संक्रमित खाद्य व पेय पदार्थ का सेवन न करें।

GRV BUILDCON
Concept to reality
ARCHITECTURE/ CONSTRUCTION / INTERIORS
WE DON'T DESIGN HOME/ OFFICE
WE DESIGN DREAMS!
Certified by :
ISO 9001 CERTIFIED
startupindia
MSME MICRO, SMALL & MEDIUM ENTERPRISES
Contact Us : 9999472324, 9999082512
www.grvbuildcon.com